रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:25 | गुरूवार,25 सितम्बर

ब्रीफ न्यूज

सीडीएस जनरल चौहान का कार्यकाल अगले साल 30 मई तक बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली, 24 सितंबरः रक्षा क्षेत्र से जुड़े एक बड़े फैसले में सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल अगले साल 30 मई तक बढ़ाने की घोषणा की है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार देर रात कहा कि नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति ने जनरल चौहान का कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जनरल चौहान 30 मई, 2026 तक या अगले आदेश तक सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में काम करना जारी रखेंगे। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत की एक दुर्घटना में मृत्यु के बाद 28 सितंबर, 2022 को उन्हें सीडीएस नियुक्त किया गया था। जनरल चौहान 1981 में भारतीय सेना में शामिल हुए और महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ नियुक्तियों के साथ उनका शानदार करियर रहा है। सेना के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। जनरल चौहान ने ₹ऑपरेशन सिंदूर₹ के दौरान तीनों सेनाओं के बीच तालमेल स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल तीनों सेनाओं के एकीकरण के जनरल रावत के मिशन को जारी रखा, बल्कि उसे मजबूत भी किया और इसमें प्रमुख भूमिका निभाई।

लेह हिंसक घटनाएँ: जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा न दिए जाने पर जनता की निराशा

एजेंसी

श्रीनगर, 24 सितंबरः जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि लेह शहर की स्थिति एक 'आँखें खोल देने वाली घटना' है जो स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जम्मू-कश्मीर के लोग राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी और वादों को तोड़ने को लेकर कितने गुस्से और हताश हैं। बुधवार को, राज्य के दर्जे की माँग को लेकर लेह में एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन अचानक हिंसक हो गया, जिसके दौरान झड़पें, पथराव और आगजनी हुई। चार लोग मारे गए और कम से कम 45 घायल हो गए, जिनमें 22 पुलिसकर्मी शामिल हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहाः 'लद्दाख को राज्य का दर्जा देने का वादा भी नहीं किया गया था,

कैबिनेट बैठक का फैसला : रेलकर्मियों को मिलेगा 78 दिनों का दिवाली बोनस

बख्तियारपुर-राजगीर तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को मंजूरी

संवाददाता। रांची

नई दिल्ली : केंद्रीय कैबिनेट में बुधवार को 10.90 लाख रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दे दी। यह बोनस दिवाली से पहले कर्मचारियों के अकाउंट में भेजा जाएगा। इसके लिए 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स्वीकृति दी गई है। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 10 लाख 91 हजार 146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के रूप में 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स्वीकृति दी। रेलवे कर्मचारियों के बेहतर कामकाज को मान्यता देते हुए यह मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजारकरोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के 78 दिनों के वेतन के बराबर है। हर साल दुर्गा पूजा, दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 10 लाख 91 हजार अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है। पिछले साल सरकार ने रेल कर्मचारियों के लिए 2,029 करोड़ रुपये के बोनस को मंजूरी दी थी। इससे 11,72,240 कर्मचारियों को लाभ हुआ था। उन्होंने कहा कि रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार के लिए रेल कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में पीएलबी भुगतान किया जाता है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी की राशि 17 हजार 951 रुपये है। यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप-सी कर्मचारियों को दी जाएगी। रेल मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढुलाई की।

बिहार के लिए 6 हजार करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

रेलवे कर्मचारियों के बेहतर कामकाज को मान्यता देते हुए यह मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजार करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछलेसाल सरकार ने रेल कर्मचारियों के लिए 2,029 करोड़ रुपये के बोनस को मंजूरी दी थी। इससे 11,72,240 कर्मचारियों को लाभ हुआ था।

उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के मूवमेंट को देखते ही शुरू कर दी फायरिंग

गुमला में एनकाउंटर के दौरान मारे गए जेजेएमपी के 3 उग्रवादी

बिशुनपुर प्रखंड के जालिम क्षेत्र में कुछ उग्रवादियों के जमा होने की मिली थी सूचना

संवाददाता

रांचीःबुधवार को गुमला जिले के बिशुनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन उग्रवादी मारे गए। मारे गए उग्रवादियों में दो सब-जोनल कमांडर शामिल थे। इनमें से एक पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मृतकों की पहचान लालू लोहरा, छोटू उरांव और सुजीत उरांव के रूप में हुई है। लालू लोहरा और छोटू उरांव, दोनों ही सब-जोनल कमांडर थे। इनमें छोटू लोहरा पर पांच लाख रुपये का इनाम था। सभी कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। सुजीत उरांव उनकी टीम में एक कैडर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एक एके- 47 राइफल भी शामिल है। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि बिशुनपुर प्रखंड केजालिम क्षेत्र में कुछ उग्रवादी जमा हुए हैं। दस्ते में छह से सात उग्रवादी हैं, इसकी भी सटीक सूचना थी। सूचना कन्फर्म होते ही झारखंड जगुआर, गुमला पुलिस और लोहरदगा पुलिस उग्रवादियों की खोज में लग गई।

पांच-पांच लाख के दो इनामी उग्रवादी समेत तीन उग्रवादी मारे गये, दो फरार

झारखंड जगुआर की टीम के साथ गुमला पुलिस के नक्सल अभियान में दक्ष टीम ने मोर्चा संभाला। इस दौरान पुलिस का सामना जेजेएमपी के बृजेश यादव के दस्ते के साथ हुआ। उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के मूवमेंट को देख लिया और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। उग्रवादियों के फायरिंग का जवाब सुरक्षा बलों ने भी जबरदस्त तरीके से दिया। सुरक्षा बलों के जवाबी कार्रवाई से उग्रवादियों में खलबली मच गई। कुछ उग्रवादी गोली लगने के बावजूद जंगल में फरार होने में कामयाब हो गए। सर्च अभियान के दौरान तीन उग्रवादी के शव बरामद किए गए। यह एनकाउंटर बिशुनपुर के केचकी स्थित रोगरीटोली के घने जंगल में हुआ।क साथ जेजेएमपी के तीन उग्रवादियों के मारे जाने के बाद एक तरह से झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) उग्रवादी संगठन का चैप्टर पूरी तरह से क्लोज हो गया है। इससे पहले एक सितंबर को संगठन के 9 नक्सलियों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर दिया था। पिछले दो महीने में झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और जिला पुलिस की टीम ने जेजेएमपी नक्सली संगठन को शिखर से शून्य पर ला खड़ा किया है। नक्सली संगठन सुप्रीमो पप्पू लोहरा के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जेजेएमपी संगठन का पतन शुरू हुआ, जो 1 सितंबर 2025 को संगठन के 9 कमांडरों के आत्मसमर्पण के बाद लगभग पूरी तरह से समाप्त हो चलाथा। बची टीम को अब गुमला में मार

Asia Cup 2025 में भारत की लगातार 5 वीं जीत, बांग्लादेश को 41 रन से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

संवाददाता

नई दिल्लीःसूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने एशिया कप 2025 में लगातार अपनी 5वीं जीत दर्ज की है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने फाइनल के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। भारत ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सुपर-4 मुकाबले में बांग्लादेश को 41 रन से धूल चटाकर फाइनल में एट्री कर ली है। वहीं भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। जिसके जवाब में बांग्लादेश की टीम महज 127 रन पर ही सिमट गई। हालांकि, भारत ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा कैच (12) छोड़े हैं। वहीं बांग्लादेश की तरफ से सबसे ज्यादा सैफ हसन ने 69 रन सबसे ज्यादा बनाए। वहीं 169 रनों का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। पिछले मैच पाकिस्तान के खिलाफ एक भी विकेट ना लेने और सबसे महंगे रहे जसप्रीत बुमराह ने इस पर भारत की पहली सफलता तंजिद हसन के रूप में दिलाई। इसके बाद परवरेज हुसैन इमॉन ने सैफ हसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़े। सातवें ओवर में कुलदीप यादव ने परवेज हुसैन इमॉन (21) को आउटकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद भारतीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण के आगे बांग्लादेशी बल्लेबाज ढेर नजर आए और एक के बाद अपने विकेट गंवाते चले गए। 10वें ओवर में अक्षर पटेल ने तौहीद हृदोय को 7 रन पर आउट किया। हां इस दौरान सैफ हसन एक छोर से बांग्लादेश की कमान संभाले हुए थे।

लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाने की मांग हुई हिंसक

सोनम वांगचुक ने खत्म की 15 दिन पुरानी भूख हड़ताल

एजेंसी

कोलकाता :

सोनम वांगचुक ने बुधवार को लद्दाख में हिंसा के बीच अपनी 15 दिनों की भूख हड़ताल समाप्त कर दी। वह लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। हालाँकि, इस आंदोलन ने तब हिंसक रूप ले लिया जब बड़ी संख्या में लोग लेह में सड़कों पर उतर आए और आगजनी और तोड़फोड़ की। आसमान में धुएँ और आग की लपटों का घना गुबार छा गया। लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। कई युवाओं ने भाजपा और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव किया।बढ़ते हालात को देखते हुए, स्थानीय प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जिससे आगे की अशांति को रोकने के लिए पाँच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। चूँकि नोटिस व्यक्तिगत रूप से नहीं दिया जा सकता, इसलिए यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। इस आदेश का कोई भी उल्लंघन बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा।

10वीं और 12वीं के बच्चे हो जाएं तैयार, 17 फरवरी से शुरू होंगे एग्जाम, टेंटेटिव डेटशीट जारी,

एजेंसी

नई दिल्लीःकेंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 2026 में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की संभावित तिथियों की घोषणा कर दी है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ये परीक्षाएँ 17 फरवरी से 15 जुलाई, 2026 तक भारत और विदेशों में आयोजित की जाएँगी। बोर्ड ने बताया कि इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और स्कूलों को समय रहते योजना बनाने में मदद करना है। 2026 में 204 विषयों में लगभग 45 लाख उम्मीदवारों के परीक्षा में बैठने की उम्मीद है। कक्षा 10 और 12 के छात्र, न केवल पूरे भारत से, बल्कि विदेशों के 26 देशों से भी, इसमें भाग लेंगे, जो सीबीएसई की वैश्विक उपस्थिति को दशार्ता है। बोर्ड ने यह भी बताया है कि मुख्य परीक्षाओं के साथ-साथ, समय पर परिणाम घोषित करने के लिए प्रैक्टिकल, मूल्यांकन और परिणाम-पश्चात प्रक्रियाएँ भी आयोजित की जाएँगी। सीबीएसई ने बताया कि संभावित समय-सारिणी को जल्द जारी करने का उद्देश्य छात्रों, स्कूलों और शिक्षकों को अधिक प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करना है। ये संभावित तिथियां वर्ष 2025 के लिए कक्षा 9 और कक्षा 11 के पंजीकरण आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई

न्यूज स्टडी

लद्दाख में स्थिति नियंत्रण में,

लोग भड़काऊ वीडियो व अन्य सामग्री न फैलाएँ: गृह मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली, 24 सितंबरः गृह मंत्रालय ने कहा है कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर सभी स्तरों पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वहाँ स्थिति नियंत्रण में है और जनता से अपील की है कि वे मीडिया या सोशल मीडिया पर पुराने या भड़काऊ वीडियो व सामग्री न फैलाएँ। मंत्रालय ने बुधवार रात एक बयान में कहा कि सुबह हुई कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को छोड़कर, लद्दाख में शाम 4 बजे तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में थी और सरकार यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह उचित संवैधानिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से लद्दाख के लोगों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक तत्व मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार के नेतृत्व में चल रही बातचीत प्रक्रिया को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि श्री सोनम वांगचुक ने इस महीने की 10 तारीख को इस मुद्दे पर भूख हड़ताल शुरू की थी। मंत्रालय ने कहा कि सरकार शीर्ष निकाय लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ इन्हीं मुद्दों पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रही है। बयान में कहा गया है कि उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समितियों के औपचारिक माध्यमों और नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकों के माध्यम से कई बैठकें हुई हैं। मंत्रालय के अनुसार, इस दृष्टिकोण से अभूतपूर्व परिणाम मिले हैं जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण को 45% से बढ़ाकर 84% करना, महिलाओं को परिषदों में एक-तिहाई आरक्षण प्रदान करना और भोटी और प्राङ्ग भाषाओं को आधिकारिक भाषा घोषित करना। इसके साथ ही, 1800 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। बयान में कहा गया है कि हालांकि राजनीतिक उद्देश्यों वाले कुछ लोग उच्चाधिकार प्राप्त समिति के तहत हुई प्रगति से खुश नहीं थे ।

वोट चोरी वाली सरकार की वैधता नहीं, बिहार से शुरू होगी उलटी गिनती : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना अभियान तेज करते हुए बुधवार को कथित वोट चोरी, अर्थव्यवस्था, आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और कहा कि कुछ सप्ताह बाद बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत होगी।बिहार प्रदेश कमेटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में चार घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें एक राजनीतिक और दूसरा बिहार से संबंधित है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बिहार में हुई है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और कई अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह और उनकी पुत्री प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में शामिल नहीं हो सकीं।सूत्रों का कहना है कि कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर भी अस्वस्थ होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके।

शारदीय नवरात्र का तीसरा दिन : रांची में तिरुपति बालाजी स्वरूप का पंडाल, 51 फीट बजरंगबली की प्रतिमा आकर्षण

रांची, संवाददाता ।

शारदीय नवरात्र का आज तीसरा दिन है. राजधानी रांची में दुर्गोत्सव की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं. करीब 95 फीसदी पंडाल बनकर तैयार हो चुके हैं और पंचमी-षष्ठी तक अधिकांश पूजा पंडालों का भव्य उद्घाटन कर दिया जाएगा. इस बार भी राज्य की राजधानी में कई पूजा समितियां आकर्षक थीम पर पंडाल तैयार कर रही हैं.

रेलवे स्टेशन के पास बना भव्य पंडाल

रांची रेलवे स्टेशन के समीप तैयार हो रहा पूजा पंडाल इस बार खास चर्चा में है. इसे देखने के लिए लोग अभी से पहुंचने लगे हैं. यह पंडाल दक्षिण भारत के तिरुपति बालाजी मंदिर के स्वरूप में तैयार किया गया है. पंडाल की वास्तुकला और डिजाइन इतनी बारीकी से बनाई गई है कि श्रद्धालु खुद को वास्तविक मंदिर के वातावरण में महसूस करेंगे.

51 फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा

मंदिर जैसे पंडाल के मुख्य द्वार पर 51 फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की गई है. यह विशाल प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बन गई है. दूर-दराज से आने वाले लोग यहां रुककर प्रतिमा के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं.

लेजर लाइट शो का आकर्षण

इस पंडाल को तैयार करने में 50 लाख रुपए से अधिक की लागत आई है. यहां विशेष लेजर लाइट शो का आयोजन किया जाएगा. साथ ही अलग-अलग रंगों की रोशनी और आधुनिक साउंड सिस्टम के जरिये पूरे पंडाल को जीवंत माहौल देने की तैयारी है. रात होते ही यहां की भव्यता कई गुना बढ़ जाएगी.

रांची का सालाना आकर्षण

हर साल की तरह इस बार भी राजधानी का यह पंडाल आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा. पूजा मेला घूमने वाले लोग यहां जरूर पहुंचते हैं. यहां न केवल श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए आते हैं, बल्कि स्थानीय लोग और बाहर से आने वाले पर्यटक भी पंडाल की भव्यता और सजावट का आनंद उठाते हैं.

भीड़ और चहल-पहल की तैयारी

पंडाल के आसपास सुरक्षा और ट्रैफिक की विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो. पूजा समितियों का मानना है कि इस बार भी लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आएंगे. रांची का यह भव्य पंडाल नवरात्र के अवसर पर धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है.

दिव्य लोक जैसा दिखेगा रांची का यह पूजा पंडाल, उड़ते घोड़े, सुंदर हिरण और अन्य पौराणिक दृश्य के बीच विरोजेंगी मां दुर्गा

रांची: राजधानी रांची में शारदीय नवरात्रि बेहद खास अंदाज में मनाई जा रही है. दुर्गा पूजा आयोजन समितियां भव्य पंडालों का निर्माण कर रही हैं. इन्हीं खास पंडालों में से एक है बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति द्वारा बनाया जा रहा पंडाल. बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति लगातार 97 वर्षों से दुर्गा पूजा मना रही है. इस वर्ष देवी मां का दरबार एक दिव्य लोक में सजाया जा रहा है. दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अजीत सहाय ने बताया कि इस दिव्य लोक में माता रानी का दर्शन ऐसा होगा जहां नीला आकाश, चांद, उड़ते हुए पक्षी और बंगाल के कुशल कारीगरों द्वारा बनाई गई बारीक नक्काशीदार सजावट, झिलमिलाती रोशनी के साथ एक अनूठा नजारा पेश करेगी. अजीत सहाय ने बताया कि माता रानी के दरबार में उड़ते हुए घोड़े (यूनिकॉर्न), सुंदर हिरण और अन्य पौराणिक दृश्य दिव्य लोक थीम पर बने पंडाल की सुंदरता को बढ़ाएंगे. बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजन वर्मा ने बताया कि यह पूजा का 97वां वर्ष है. कोविड-19 महामारी को छोड़कर, समिति हर साल भव्य दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन करती रही है.

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की निगरानी के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के तीन सदस्यीय निरीक्षण दल का पांच दिवसीय झारखंड दौरा

झारखंड में अब तक 31 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविरों में 15 लाख से ऊपर लाभार्थी जुड़े, अधिकतर लाभार्थी महिलाएं

लाखों महिलाओं की हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर, टीबी, बीपी, सिकल सेल, एनीमिया जैसी बीमारियों की जाँच

रांची, संवाददाता ।

17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु मॉनिटरिंग के लिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की मॉनिटरिंग हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की तीन सदस्यीय दल 21 सितंबर से पांच दिवसीय झारखंड दौरे पर आई ही है। इस दल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण में ओएसडी डॉ राजलक्ष्मी दास एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलजा आंगमो और विभाग के पदाधिकारी श्री हृदानंद शामिल हैं।

ई पांच दिनों में दल स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार के सदस्यों के साथ राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित सदर अस्पतालों, ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का दौरा कर अभियान से जुड़ी जानकारी ले रहा है ऐली बेहतर क्रिया के लिए स्थानीय कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी कर रहा है। अब तक इस दल के सदस्यों ने रांची, खूंटी, गोड्डा, रामगढ़, हजारीबाग, पाकुड़, गोड्डा और गुमला जिलों का दौरा किया है। आगामी दिनों में वे देवघर, बोकारो, लातेहार और लोहरदगा जिलों का दौरा करेंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अनुसार अब तक राज्य में 31 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविरों में 15 लाख से ऊपर लाभार्थी खासकर महिलाएं जुड़ चुके हैं। जिन रोगों को जांच विशेष रूप से की जा रही है उनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर स्क्रीनिंग, सिकल सेल, टीबी, हेमोग्लोबिन, मानसिक स्वास्थ्य, टीकाकरण और प्री नेटल जच्चा बच्चा स्वास्थ्य चेक अप प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ 17 सितंबर 2025 को मध्य प्रदेश के धार से किया था। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान विकसित भारत 2047 के लिए प्रधानमंत्री के स्वस्थ, सशक्त समाज के दृष्टिकोण का प्रतीक है, जो महिला केंद्रित निवारक देखभाल पर केंद्रित है।

स्वस्थ नारी अभियान से अब तक 15 लाख से ज्यादा महिलाएं हुई लाभान्वित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान 23 सितंबर 2025 तक बड़ी उपलब्धियों तक पहुंच चुका है. अब तक राज्य में 31,036 शिविर आयोजित किए गए हैं और कुल 15,32,424 लाभार्थी इससे जुड़ चुके हैं. अभियान के दौरान 5,96,678 महिलाओं की हाइपरटेंशन और 5,46,577 की डायबिटीज की जांच की गई. वहीं 3,52,637 महिलाओं की ओरल कैंसर, 89,356 की सर्वाइकल कैंसर, 1,91,703 की ब्रेस्ट कैंसर और 1,78,494 की टीबी जांच की गई. इसके साथ ही 2,14,170 सिकल सेल स्क्रीनिंग भी पूरी की गई. अभियान के अंतर्गत अब तक 42,898 नई एएनसी जांच और 80,877 फॉलोअप एएनसी जांच की गई हैं. कुल 1,02,002 टीकाकरण डोज दिए गए हैं और 4,40,4 रक्तदान सेवाएं पूरी की गई हैं. इसके अलावा 1,11,313 अइउट्ट कार्ड और 30,628 पीएम-जय कार्ड जारी किए गए हैं. महिला स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए 4,99,927 पोषण परामर्श और 3,29,335 मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी परामर्श सेवाएं दी गई हैं. अब तक 705 मेजर सर्जरी और 5,585 माइनर सर्जरी की गई हैं. यह अभियान न केवल स्वास्थ्य जांच बल्कि पोषण, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण के लिए भी एक मजबूत आधार बन रहा है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के नेतृत्व में झारखंड सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस संकल्प के साथ कार्यरत है कि राज्य की हर बहन, बेटी और मां को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें.

अस्पतालों के लंबित दावों व पंजीकरण में देरी पर कार्यकारी निदेशक सख्त

रांची, संवाददाता ।

नामकुम स्थित सभागार में झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की कार्यकारी निदेशक डॉ नेहा अरोड़ा की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में राज्य के सभी जिला कार्यक्रम समन्वयक मौजूद रहे. बैठक में अस्पतालों के एम्पैनलमेंट, ई-केवाईसी की स्थिति, सरकारी अस्पतालों के क्लेम स्टेटस, लंबित दावे, जिला अस्पतालों की विशेषज्ञता, पॉलिसी 8 के तहत अस्पतालों की हॉस्पिटलाइजेशन और क्लेम की स्थिति, सरकारी व निजी अस्पतालों के क्लेम वितरण जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई. डॉ अरोड़ा ने निर्देश दिया कि सभी जिले मरीजों को बेहतर इलाज और देखभाल सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि योजना के तहत अधिक से अधिक केस बुक किए जाएं ताकि मरीजों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल सके और अस्पतालों को समय पर भुगतान प्राप्त हो. उन्होंने जिलों को मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने को कहा, ताकि स्थानीय समस्याओं की पहचान और समाधान समय पर किया जा सके. साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जिन जिलों में डीपीसी की नियुक्ति लंबित है वहां शीघ्र नियुक्ति की जाए. डॉ अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि यदि किसी जिले में योजना से संबंधित कोई समस्या आती है तो उसे तत्काल राज्य स्तर पर सूचित किया जाए. उन्होंने यह भी पूछा कि कुछ जिलों में अब तक कुछ अस्पतालों का पंजीकरण क्यों नहीं हो पाया है और इसकी विस्तृत जानकारी मांगी. बैठक में जिलों की विशेष समस्याओं पर भी चर्चा हुई और कई मुद्दों का तत्काल समाधान किया गया. अंत में निर्देश दिया गया कि सभी सदर अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति रांची सदर अस्पताल की तर्ज पर की जाए ताकि मरीजों को संपूर्ण लाभ मिल सके.

जूनियर चॉकबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखंड की टीम विशाखापत्तनम रवाना

रांची। विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) के एसेंट इंग्लिश मीडियम पब्लिक स्कूल में 26 से 28 सितंबर तक 16वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक/बालिका चॉकबॉल प्रतियोगिता आयोजित होने वाली है. इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखंड की बालक चॉकबॉल टीम आज बरौनीझपोदानूर स्पेशल ट्रेन से रवाना हुई. कप्तान आयुष टोप्पो, इमैनुएल तिर्की, अनीश तिर्की, सुमन साहिल लकड़ा, हिमांशु उरांव, रोशन भगत, निखिल कुमार, नमन उरांव, सुभाष उरांव, रोहित तिर्की, प्रिंस साहू और लक्की उरांव. टीम के साथ कोच शुभम उरांव भी गए हैं. इस दौरान खिलाड़ियों को विदा करने के लिए रांची रेलवे स्टेशन पर कई लोग मौजूद रहे. इनमें लोहरदगा के ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन प्रवीण कुमार सिंह, प्रिंसिपल एस.के. झा और शारीरिक शिक्षक सुजाउदीन राजा मौजूद रहे. वहीं झारखंड राज्य चॉकबॉल संघ के महासचिव बृजेश गुप्ता ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और जीतकर लौटने की उम्मीद जताई.

जेपीएससी संयुक्त सिविल परीक्षा में 4 सीटें रिजर्व रखें : हाईकोर्ट

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट ने जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2023 के रिजल्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की. बुधवार को स्पोर्ट्स कोटे के अभ्यर्थी फैजान रजा की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया कि सरकार अगले आदेश तक 4 सीटों पर नियुक्ति ना करे. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि स्पोर्ट्स कोटा अभ्यर्थियों के लिए 4 पद आरक्षित थे लेकिन कोटे से एक भी नियुक्ति नहीं हुई. जिसके बाद कोर्ट ने 4 सीटें रिजर्व रखने का निर्देश देते हुए खढरउ और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव सिन्हा और रोहित सिन्हा ने बहस की. दरअसल, झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल सर्विस परीक्षा 2023 के लिए आवदेन फरवरी 2024 में लिए थे. डिप्टी कलेक्टर के 207 और डीएसपी के 35 पद समेत कुल 342 वैकेंसी थी. भर्ती में उम्मीदवारों को उम्र में 7 साल की छूट दी गई थी. रिक्त पदों में 155 पद अनारक्षित थे. खढरउ ने जुलाई महीने में ही परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था. हाईकोर्ट ने इस मामले में इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन और खेल मंत्रायल को भी पार्टी बनाया है.

पारस हॉस्पिटल एचईसी में कैंसर मरीजों के लिए पेट-सीटी स्कैन सेवा की शुरूआत

रांची, संवाददाता ।

पारस हॉस्पिटल एचईसी ने अत्याधुनिक पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी- कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पेट-सीटी) स्कैन सुविधा की शुरूआत की है। यह आधुनिक तकनीक कैंसर, न्यूरोलॉजिकल और कार्डियक बीमारियों की सटीक जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारस हॉस्पिटल में पैट स्कैन की सुविधा के साथ ही हॉस्पिटल में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के माध्यम से जांच से लेकर इलाज तक अब मरीजों को एक ही छत के नीचे मिलेगा। मरीजों को संपूर्ण कॉम्प्रिहेंसिव केयर मिलेगा।

पारस हॉस्पिटल एचइसी रांची का पहला ऐसा हॉस्पिटल है, जो मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के साथ कैंसर के इलाज की संपूर्ण इलाज होगा। अब कैंसर के मरीजों को किसी बड़े शहरों में इलाज कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ गुंजेश, डॉ निशांत और डॉ नीरू ज्योत्सना ने संयुक्त रूप से कहा कि पेट-सीटी स्कैनिंग से शरीर के अंदर मौजूद असामान्य कोशिकाओं, कैंसर की सही स्थिति, उसके फैलाव और उपचार की प्रगति का पता लगाया जा सकता है। यह तकनीक डॉक्टरों को रोग की शुरूआती अवस्था में ही पहचान करने और मरीज को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मदद करती है। झारखंड एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अब पेट-सीटी जैसी उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधा के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पारस हॉस्पिटल में इस सेवा की उपलब्धता से कैंसर मरीजों सहित अन्य गंभीर रोगियों को सटीक निदान और बेहतर उपचार मिलेगा। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों का भी कैंसर का इलाज किया जा रहा है। अब पेट-सीटी स्कैन जैसी उन्नत सुविधा से इन मरीजों को और अधिक सटीक व गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध होगा।

डिग्री की जगह प्रोविजनल सर्टिफिकेट से भी भर सकते हैं जेईटी का परीक्षा फॉर्म

रांची, संवाददाता ।

अबुआ अधिकार मंच, झारखंड ने झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित जेईटी परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में छात्र-छात्राओं को हो रही गंभीर समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के नाम मांग पत्र सोपा। मंच के संयोजक अभिषेक शुक्ला ने बताया कि आयोग द्वारा फॉर्म भरते समय मैट्रिक से लेकर स्नातकोत्तर तक के डिग्री प्रमाणपत्र अपलोड करने की अनिवार्यता रखी गई है। लेकिन, राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालयों से इतने कम समय में डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करना संभव नहीं है, जिससे हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 27 सितंबर से 4 अक्टूबर तक राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में दशहरा अवकाश घोषित है। इस दौरान विश्वविद्यालयों में किसी भी प्रकार का शैक्षणिक या प्रशासनिक कार्य संभव नहीं होगा, जिससे छात्रों के लिए समय सीमा के भीतर फॉर्म भर पाना और भी कठिन हो जाएगा। अभिषेक शुक्ला ने मांग किया के डिग्री प्रमाणपत्र अपलोड करने के स्थान पर अंक पत्र अथवा अन्य वैकल्पिक व्यवस्था स्वीकार की जाए। जेईटी परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि कम-से-कम 15 दिनों के लिए बढ़ाई जाए। मंच के सदस्यों का कहना है कि इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई होने से हजारों छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी और वे बिना किसी बाधा के जेईटी परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष किसी मीटिंग में व्यस्त थे उन्होंने तत्काल झारखंड लोक सेवा आयोग के दो पदाधिकारी को वार्ता के लिए भेजा। पदाधिकारी ने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं के पास मैट्रिक से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक की डिग्री नहीं है।

स्विट्ज़रलैंड से रांची पहुंची ओशो की सहयोगी मां आनंद शीला

रांची, संवाददाता ।

ओशो की प्रमुख सहयोगी और प्रसिद्ध डॉक्यूमेंट्री सर्चिंग फॉर शीला की मुख्य पात्र मां आनंद शीला स्विट्ज़रलैंड से पहली बार रांची आई. उनके इस दौरे का स्वागत रांची के प्रमुख व्यवसायी विकाश कुमार बनर्जी और सुखेंदु गोप ने बड़े सम्मान और गर्मजोशी से किया. मां आनंद शीला 1980 के दशक में ओशो के आश्रमों के प्रमुख संचालनकर्ता के रूप में पहचानी गईं, जब उन्होंने अमेरिका के ओरेगन में राजनीशपुरम आश्रम की स्थापना की, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक प्रयोग माना गया था. हाल ही में करण जौहर द्वारा निर्मित और नेटफ्लिक्स पर प्रसारित डॉक्यूमेंट्री ह्लसर्चिंग फॉर शीलाह्व ने उनके जीवन की एक नई परिभाषा दी, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई. मां आनंद शीला रांची में 7 अक्टूबर तक रहेंगी और इस दौरान वे राज्य की प्राकृतिक सुंदरता से रूबरू होंगी. अपने दौरे के दौरान उन्होंने झारखंड की संस्कृति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक धरोहर का गहराई से अनुभव करने की इच्छा जताई. विकाश कुमार बनर्जी ने मां आनंद शीला के रांची आगमन को लेकर कहा कि जब स्विट्ज़रलैंड जैसे विकसित देश से कोई बड़ी शख्सियत रांची आती है तो यह राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के लिए एक सुनहरा अवसर है. हमें इसे उचित सम्मान देना चाहिए. मां आनंद शीला का यहां होना न सिर्फ रांची बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है.

झारखंड पर्यटन के लिए यह एक सुनहरा मौका

मां आनंद शीला की रांची यात्रा से राज्य को एक अनूठा अवसर मिल सकता है. झारखंड की आध्यात्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए यह सही समय है. विकाश कुमार बनर्जी ने यह भी सुझाव दिया कि झारखंड पर्यटन विभाग को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए और झारखंड की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करना चाहिए. इसके साथ ही विकाश कुमार ने रांची में एक विशेष ईको-रिजॉर्ट बनाने की योजना का भी खुलासा किया. इस रिजॉर्ट का उद्देश्य विदेशी मेहमानों को झारखंड की विलक्षण प्राकृतिक सुंदरता और संस्कृति से परिचित कराना होगा जो राज्य के पर्यटन को एक नई दिशा दे सकता है. मां आनंद शीला का रांची आगमन झारखंड के पर्यटन और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है. उनका अनुभव और सुझाव राज्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद कर सकते हैं.

212वां स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम, 600 पेंशनधारियों की समस्याओं का हुआ समाधान

रांची, संवाददाता ।

रांची में आयोजित 212वें स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. इस अवसर पर रक्षा लेखा नियंत्रक पटना हिमांशु शंकर, लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत, तथा रक्षा लेखा महानियंत्रक भारतीय लेखा विभाग राजकुमार अरोरा भी मौजूद रहे. इस कार्यक्रम में कुल 600 पेंशनधारियों की समस्याओं का समाधान किया गया.

हिमांशु शंकर का संबोधन

रक्षा लेखा नियंत्रक पटना हिमांशु शंकर ने बताया कि अब तक 32 लाख पेंशनर्स का डेटा रिकॉन्सिलिएशन सीडीए पटना द्वारा किया गया है. पिछले वर्ष ही 1.37 लाख पेंशनर्स को स्पर्श पोर्टल के माध्यम से जोड़ा गया. उन्होंने आश्वासन दिया कि पेंशन संबंधी समस्याओं का निवारण स्पर्श केंद्रों के जरिये लगातार होता रहेगा.

लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत के विचार

लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत ने कहा कि सैनिकों का बलिदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा. उन्होंने कहा कि शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ सेना हमेशा खड़ी रहेगी. उन्होंने स्पर्श पोर्टल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रणाली सेवाओं को डिजिटल और सरल बनाती है तथा सही समय पर सही व्यक्ति को पेंशन उपलब्ध कराती है.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा -

स्पर्श व्यवस्था अद्भुत है, अब पेंशनर्स को बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, सीधे खाते में डिजिटल माध्यम से पेंशन पहुंच रही है. भारत आज डिजिटल पेमेंट करने वाला सबसे बड़ा देश बन चुका है. अब तक 32 लाख पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान घर बैठे हो चुका है, जबकि 80 हजार शेष हैं, जिनका समाधान जल्द किया जाएगा. उन्होंने अपील की कि जमशेदपुर और गुमला में भी स्पर्श कार्यालय खोले जाएं ताकि सैनिक परिवारों को और अधिक सुविधा मिल सके. इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने पूर्व सैनिकों को पेंशन चेक वितरित किए और वीर नारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. रक्षा लेखा महानियंत्रक राजकुमार अरोड़ा ने कहा कि स्पर्श पोर्टल थल सेना, नौसेना और वायुसेना के पूर्व सैनिकों व शहीद जवानों के परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने बताया कि अब तक 2,300 संगठन और 31 लाख पेंशनर्स पोर्टल से जुड़ चुके हैं. वर्ष 2024 में ओआरओपी-3 के अंतर्गत केवल 12 से 15 दिनों में 20 लाख पेंशनर्स को पेंशन का भुगतान किया गया, जिस पर 1,200 करोड़ रुपये खर्च हुए. स्पर्श केवल पेंशन ट्रांसफर ही नहीं बल्कि शिकायतों का डिजिटल समाधान भी प्रदान करता है. 2024 में ओआरओपी 3.0 के माध्यम से 20 लाख जीवन प्रमाण पत्र संकलित किए गए.

सीएम ने प्रपोज्ड अपग्रेडेशन ऑफ मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ने खेलों की दुनिया में झारखंड को दी है अलग पहचान : सीएम हेमंत

- राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का शानदार और सफल आयोजन कर झारखंड ने पेश किए हैं कई मिसाल
- स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खुलने से खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए मिलेगा बेहतर प्लेटफाम

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राजधानी रांची में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोलने की दिशा में ठोस कदम उठाने का निर्देश अधिकारियों को दिया है।

इसके लिए जो भी आवश्यक प्रक्रियाएं हैं, वह जल्द से जल्द पूरी की जाय । उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के खुलने से यहां के खेल और खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर प्लेटफार्म मिलेगा। वे आज झारखंड मंत्रालय में पर्यटन, कला- संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री श्री सुदिव्य कुमार की उपस्थिति में खेल विभाग एवं सीसीएल के वरीय अधिकारियों के साथ मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, होटवार, रांची के प्रस्तावित उन्नयन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने खेलगांव में अवस्थित सभी स्टेडियम के अद्यतन हालात की विस्तृत जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने कहा कि मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से झारखंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान मिली है। देश में बहुत कम ही ऐसे स्पोर्ट्स सेंटर हैं, जहां अलग-अलग खेलों के स्टेडियम एक ही परिसर में अवस्थित हैं। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित होती आ रही है। ऐसी कईखेल प्रतियोगिताओं का सफल और शानदार आयोजन हम कर चुके हैं। राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की हमें निरंतर मेजबानी मिलती आ रही है, ऐसे में हमारे स्टेडियम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों के अनुकूल हों, इसके लिए खेलगांव में स्थित सभी स्टेडियमों में आधुनिक सुविधाओं के साथ सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए। सभी खामियां दूर की जाए, जो जरूरतें हैं, उसे पूरी करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सालों भर कोई ना कोई खेल प्रतियोगिता आयोजित होती रहती है। यहां खिलाड़ियों के नियमित प्रैक्टिस की भी व्यवस्था है। ऐसे में इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल हो, इसके लिए यहां स्थित स्टेडियमों में जो भी खामियां है, उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। साथ ही खेल आयोजनों को लेकर जो भी जरूरी संसाधनों की जरूरत हो, उसे उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अपग्रेडेशन में अंतर्राष्ट्रीय खेल मानकों के अनुरूप आधुनिक तौर- तकनीक और तरीकों का इस्तेमाल होना चाहिए।इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के स्पेशलाइज्ड एजेंसीज का सहयोग लें। इस बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, सचिव श्री मनोज कुमार, सचिव श्री अरवा राजकमल, खेल निदेशक शेखर जमुआर, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अभियन्ता प्रमुख संजय कुजूर, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम के महाप्रबंधक अविनाश कुमार दीपक, सीसीएल के सीएमडी एनके सिंह, निदेशक (एचआर) एचएन मिश्रा,जेएसएसपीएस के सीईओ श्री एनके झा और मास एंड वॉइड एजेंसी के ग्रुप हेडप्रणव कुमार मौजूद थे। ₹झारखण्ड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025(उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की अधिसूचना संख्या-903, दिनांक-21.05.2025) के गठन के क्रम में राज्य में मदिरा पर अधिरोपित किये जाने वाले वैट की दर में संशोधन संबंधी प्रस्ताव ।

ब्रीफ न्यूज

शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं : गुलाम मुस्तफा

संवाददाता । रांची

रांची।रांची। झारखंड सरकार से रजिस्टर्ड एनजीओ भारतीय एकता कमेटी के तत्वावधान में पढ़ने लिखने वाले जो जरूरतमंद बच्चे हैं उन लोगों को संस्था के तरफ से पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया । संस्थापक अध्यक्ष मुस्तफा ने कहा कि सभी बच्चों का स्कूल जल्द से जल्द एकता एकेडमी बनेगा जिसमें गरीब असहाय मासूम बच्चों को निशुल्क शिक्षा दिया जाता है। अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने सभी बच्चों से कहा की शिक्षा तालीम से बड़ा कोई धन दौलत नहीं होता है खूब पढ़ लिखकर देश का नाम रोशन करो और बड़ा अफसर बनो ताकि तुम्हारी दुनिया में समाज में हर जगह पर नाम रोशन हो । गुलाम मुस्तफा ने झारखंड सरकार के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से से भारतीय एकता कमेटी को ग्रांट अनुदान देने की अपील की सेक्रेटरी रामेश्वर राम ने कहा के बच्चे जब पढ़ लिख कर बड़ा अफसर बन जाएंगे तो हम लोगों की मेहनत सफल हो जाएगी गंदे माहौल से बचना है और अच्छा इंसान बनना है भारतीय एकता कमेटी 1992 से समाज के सभी धर्म समुदाय के लिए अच्छा काम शुभ कार्य कर रही है और आगे भी करते रहेगी कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे ।

सीएम हेमंत से बॉलीवुड सिंगर शिल्पा राव ने की मुलाकात, नेशनल अवॉर्ड के लिए दी बधाई

संवाददाता । रांची

रांची। रांची। झारखंड की बेटी और बॉलीवुड गायिका शिल्पा राव से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भेंट की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका के सम्मान के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की बेटियों ने कई बार राष्ट्रीय मंच पर राज्य का नाम रोशन किया है. उन्होंने कहा कि शिल्पा राव की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है. मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस पुरस्कार से झारखंड की युवा पीढ़ियों को अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी. उन्होंने शिल्पा राव से कहा कि उन्हें मिला यह सम्मान राज्य का भी सम्मान है और यह उन्हें और राज्य के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा. मुलाकात का सबसे खास पल इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं. मुलाकात का सबसे खास और यादगार पल तब आया जब शिल्पा राव ने कल्पना सोरेन के साथ मिलकर गाना गुनगुनाया. इस दौरान कल्पना सोरेन ने ताल से ताल मिलाकर गीत में भाग लिया, जिससे कार्यालय का माहौल संगीत और उमंग से भर गया. उपस्थित लोगों ने इस आत्मीय और खुशनुमा पल का खूब आनंद लिया और इसका वीडियो और फोटो लेकर इस यादगार मौके को कैद किया. शिल्पा राव ने इस अवसर पर अपने गायिकी जीवन की शुरूआत, चुनौतियां औरबॉलीवुड में नेशनल अवॉर्ड तक की

यात्रा के अनुभव साझा किए. उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार उन्हें और भी मेहनत करने और झारखंड का नाम देश-विदेश में ऊंचा करने के लिए प्रेरित करेगा।

रांची की मैट्रिक टॉपर रही तहरीन फातिमा को सम्मानित किया गया

संवाददाता । रांची

रांची।झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मेट्रिक परीक्षा 2025 में रांची जिला की तहरीन फातिमा ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉपर बनी थी। बल्कि अपने संघर्ष लगन और अपने आत्मविश्वास से पूरे राज्य के लिए एक मिसाल कायम की थी । जिसे आज साहिल संस्था की ओर से शाल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया । संस्था की सचिव फरहाना खातून ने हौसला अफजाई बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह से मेट्रिक टॉपर बनी ।इंटर में पूरे राज्य का टॉपर बनना है । उन्होंने कहा कि यह तब होगा जब हम रोजाना अपने पढ़ाई पर फोकस करेंगे । फरहाना खातून ने कहा कि अपने मां-बाप , राज्य देश का नाम रोशन करो । तालीम से ही कामयाबी मिलेगी । पिता अब्दुल रहमान ने बताया कि अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए कभी बोलना नहीं पड़ा । तहरीन फातिमा अभी उर्सलाईन कॉलेज में साइंस लेकर पढ़ाई कर रही है और वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करेगी ।

शीर्षक:झ्रसरकारी माध्यमिक शिक्षकों को मिला प्रोन्नति

संवाददाता । रांची

रांची ।रांची जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री विनय कुमार द्वारा 2010 में नियुक्त 190 सरकारी माध्यमिक शिक्षकों का 12 वर्ष के संतोषप्रद सेवा के उपरांत वरीय वेतनमान में प्रोन्नति का लिस्ट जारी किया गया। साथ ही उन्होंने 24 वर्ष तक सेवा दे चुके 14 माध्यमिक शिक्षकों का प्रवरण वेतनमान में प्रोन्नति का भी लिस्ट जारी किए ।उन्होंने कहा कि शीघ्र ही जिन शिक्षकों का परीक्ष्यमान अवधि पूरा हो गया है, उनके सेवा संपुष्टि के लिए विभागीय प्रकिया पूर्ण कर ली जाएगी। झारखंड राज्य बनने के बाद पहली बार 2010 में राज्य के राज्यकृत माध्यमिक विद्यालयों में बहुत सारे विषयों में शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। और इन शिक्षकों का 12 वर्ष की सेवा 2022 में पूरी हो गई। इससे इनके वेतनमान का ग्रेड पे लेवल 4600 से 4800 हो गया ।और प्रवर वेतनमान प्राप्त शिक्षकों का ग्रेड पे लेवल 4800 से 5400 हो गया। हाल ही में शिक्षकों द्वारा विभागीय प्रोन्नति वरीय और प्रवरण वेतनमान के जगह एमएसीपी की मांग की गई है।

स्वच्छता पर आजाद हाइ स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता । रांची

रांची। आजाद उच्च विद्यालय, रांची मेंे स्वच्छता पखवारा के तहत २५'ङ्गल्ल स्वस्थ इंडिया की टीम के तरफ से बच्चों के बीच हैंडवाश स्टेपु८ २३ीस्त्र हाथ धोने के तरीके को बतलाया गया तथा बच्चों के बीच स्वच्छता संबंधी ५ीङ्ग दिखाया गया।

२५'ङ्गल्ल स्वस्थ क्ल्र्ल के तहत बच्चों के बीच ०४९ ङ्केस्त्री३३ङ्गल्ल कराया गया तथा विजेता को २५'ङ्गल्ल ँल्लदि२ँ स्त्रङ्कर्दी१ एवं ी१३्र्ंी देकर बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर २५'ङ्गल्ल स्वस्थ इंडिया की टीम के साथ विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक कुर्बान अली तथा विद्यालय के सभी शिक्षकगण रूबी सिंह,श्वेता साहू, मो. अनवर अंसारी उपस्थित रहें ।इसमें बाल संसद के सभी सदस्य, तथा वर्ग 7 से लेकर वर्ग 10 के सभी बच्चों ने भाग लिया।

डिफरेंटली क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया के पूर्वी क्षेत्र के नए प्रभारी बननें पर उत्पल मजूमदार को झारखंड दिव्यांग क्रिकेट ने बधाई दी

संवाददाता । रांची

रांची : डिफरेंटली क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया डीसीसीआई ने पूर्वी क्षेत्र के नए प्रभारी की घोषणा कर दी.उत्पल मजूमदार बने नए प्रभारी वह बीसीसीआई के मेंबर भी है. उत्पल को प्रभारी बनने पर झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन फॉर डिफरेंटली एबल्ड के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बधाई और मुबारकबाद दी है. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि उनके अध्यक्ष बनने से झारखंड और पूर्वी क्षेत्र में दिव्यांग क्रिकेट का विकास होगा जल्दी उत्पल का झारखंड दौरा भी होगा. सचिव आफताब आलम ने कहा कि उत्पल के आने से पूर्वी क्षेत्र में जो दिव्यांग क्रिकेट का विकास रुका हुआ था वह विकास सब बढ़ेग,क्योंकि उत्पल बहुत पुराने और अनुभवी खिलाड़ी और पदाधिकारी रह चुके हैं. आफताब ने कहा उत्पल के आने से भारतीय टीम में ईस्ट जोन का दबदबा बढ़ेगा. उत्पल को बधाई देने में डिफरएंटली किक्रेट काउंसिल आफ इंडिया के सचिव राविकांत चौहान साथ ही साथ रवीकांत ने कहा की उनके को प्रभारी बनाने से पूर्वी क्षेत्र मे दिव्यांग क्रिकेटका विकास तेजी से होगा.झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन फॉर डिफरेंटली एबल्ड के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह,उपाध्यक्ष अर्चित आनंद, जगदीश सिंह जग्गू , सरफे आलम, उप सचिव मुकेश कुमार दुबे, कप्तान मनीष कुमार, सदस्य वारिस कुरैशी, सदस्य संतोष डॉक्टर शमशेर राही,भोला पासवान, बबन सिंह,गोविंद सिंह, मुस्तफा, अनवर जाहिद अंसारी,इरफान अंसारी, मनीष कुमार,प्रिंस कुमार,झारखंड क्रिकेट महिला की कप्तान सेराफिना मिंक,शबनम लकड़ा, कमाल खान,इरफान अंसारी, एस गायकवाड झारखंड के अलग अलग जिला प्रतिनिधि नें भी उत्पल जिमदार को बढ़ाई दी है. यह जानकारी मीडिया प्रभारी संतोष टूडू ने दी.

एमवे इंडिया के दो नए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स लॉन्च

संवाददाता । रांची

रांची ।एमवे इंडिया, जो स्वास्थ्य और वेलनेस की अग्रणी कंपनी है, ने दो नए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं झ्रआर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन डिफाइंग सीरम और आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन करेक्टिंग सीरम । ये सीरम त्वचा पर बुढ़ापे के शुरूआती लक्षणों और कारकों को कम करते हैं। ये नए सीरम, आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन की हाइड्रेटिंग, बैलेंसिंग, और रिन्यूइंग एवं फि र्मिंग रेंज पर आधारित हैं, जिन्हें अलग-अलग उम्र में बदलती स्किनकेयर जरूरतों को ध्यान में रखकर खास तौर पर तैयार किया गया ।एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, रजनीश चोपड़ा ने कहा, ह्लभारतीय स्किनकेयर मार्केट तेजी से बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण है उपभोक्ताओं की बढ़ती जागरूकता, बढ़ती इनकम व खर्च करने की क्षमता और प्रीमियम व नैचुरल प्रोडक्ट्स[1] की माँग। आजकल ज्यादा से ज्यादा लोग त्वचा की सेहत को महत्व देने लगे हैं। एमवे इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अमृता असरानी के अनुसार, आज के उपभोक्ता ऐसे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खोज रहे हैं जो आत्मविश्वास, सशक्तिकरण और एजलेस ब्यूटी जैसी समय के साथ बदलती उनकी सोच से मेल खाते हों।

सर्वधर्म सद्भावना समिति ने नव पदस्थापित एसएसपी रांची एवं सिटी एसपी रांची को बधाई दी

संवाददाता । रांची

सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम एवं सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान के संयुक्त नेतृत्व में सर्वधर्म सद्भावना समिति का एक प्रतिनिधिमंडल रांची के नव पदस्थापित एस एसपी राकेश रंजन एवं सिटी एसपी रांची पारस राणा को बूके,शाल एवं पगड़ी देकर उनका भव्य स्वागत किया। उक्त अवसर पर समिति कीओर से मो. इसलाम एवं अकीलुर्रहमान ने समिति द्वारा किए जाने वाले आपसी सौहार्द सम्बंधित कार्यों से अवगत कराते हुए जनहित में प्रशासनिक स्तर पर सहयोग का अनुरोध किया ।एस एसपी रांची राकेश रंजन एवं सिटी एसपी रांची पारस राणा ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों की बातों को गंभीरता से सुना एवं कहा कि रांची वासी सद्भावना की अद्भुत मिसाल है ।हर पर्व त्यौहार में यहां के लोग एक दूसरे के साथ आपसी भाईचारा कायम रखते हुए हर पर्व को मनाते चले आ रहे हैं जो विभिन्नता में एकता का प्रतीक है ।इस आपसी सौहार्द को बरकरार रखने की जरूरत है। उन्होंने आपसी सौहार्द कायम रखने हेतु प्रशासनिक स्तर पर अपने पूर्ण सहयोग देने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम, सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान,परवेज आलम, नौशाद आलम, फिरोज अंसारी,

रांची में जमीन माफिया और बिल्डर के नौ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी समाप्त, 60 लाख नकद जब्त

संवाददाता । रांची

रांची : झारखण्ड की राजधानी रांची में जमीन की हेराफेरी मामले में शुरू हुई ईडी की छापेमारी समाप्त हो गयी है। छापेमारी के दौरान 60 लाख रुपये नकद, जमीन की खरीद बिक्री से संबंधित दस्तावेज, डीजिटल डिवाइस और पैसों के लेनदेन से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये हैं।

बता दें ईडी ने 23 सितंबर को दस्तावेज में जालसाजी कर जमीन की खरीद बिक्री के मामले में कांके रिसोर्ट के बीके सिंह, दुर्गा डेवलपर्स और बीके सिंह से जुड़े लोगों के नौ ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी, जो देर रात समाप्त हुई। छापेमारी के दौरान बीके सिंह व उससे संबंधित लोगों के ठिकानों के कुल 60 लाख रुपये नकद जब्त किये गये। इसके अलाव जमीन के कारोबार से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये हैं ।राँची के कांके अंचल के दस्तावेज में हेराफेरी कर आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों को बेचने के आरोप में इससे पहले कमलेश कुमार सिंह सहित कांके के अंचल अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। आरोपी अंचल अधिकारियों में से जयकुमार राम की मौत हो चुकी है।

जामताड़ा एसपी राज कुमार मेहता के निर्देश पर जामताड़ा साइबर पुलिस ने साईबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। करीब 10 लाख कैश और समान बरामद किया है।

जामताड़ा एसपी राज कुमार मेहता के निर्देश पर जामताड़ा साइबर पुलिस ने साईबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। करीब 10 लाख कैश और समान बरामद किया है।

एनएमएल ने मनाया 84 वां सीएसआईआर स्थापना दिवस 2025, कई कार्यक्रम संपन्न

जमशेदपुर, संवाददाता

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) ने बुधवार अपने सभागार में 84 वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ संदीप कुमार कर कार्यकारी निदेशक आरडीसीआईएस स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल), डॉ संदीप घोष चौधुरी निदेशक सीएसआईआर एनएमएल, डॉ संजय कुमार मुख्य वैज्ञानिक और जय शंकर शरण नियंत्रक प्रशासन सीएसआईआर एनएमएल मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान निदेशक डॉ संदीप घोष चौधुरी ने मंचासीन अतिथियों, एनएमएल से सेवानिवृत्त कर्मियों, वैज्ञानिकों और आमंत्रित जनों का स्वागत भी किया। इस अवसर पर डॉ घोष ने कहा कि आठ दशकों से अधिक समय से सीएसआईआर केवल एक संस्था नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की ज्ञान-रीढ़, नवाचार की ध्वजवाहक और स्वतंत्रता से आत्मनिर्भरता तथा अब विकसित भारत @2047 की यात्रा में एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। आगे उन्होंने कहा कि जब 1942 में सीएसआईआर की स्थापना हुई थी और भारत अब भी औपनिवेशिक शासन के अधीन था। उस समय दूरदर्शी नेताओं जैसे भारत में शोध प्रयोगशालाओं के जनक कहे जाने वाले सर शांति स्वरूप भटनागर ने वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के बीज बोए। उनका दृष्टिकोण सरल किंतु गहन था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को समाज की सेवा करनी चाहिए। आज सीएसआईआर के पास देशभर में 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, 39 आउटरीच केंद्र और 3 नवाचार परिसरों का एक सशक्त नेटवर्क है। जो कृषि और एयरोस्पेस से लेकर स्वास्थ्य एवं ऊर्जा तक भारत की अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र की सेवा कर रहा है। हमारे वर्तमान योगदान अनेक क्षेत्रों में फैले हुए हैं।स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान, ऊर्जा एवं पर्यावरण, सामग्री एवं विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा सतत विकास। वहीं 84 वर्षों का जश्न मनाते हुए हमारी दृष्टि भविष्य की ओर होनी चाहिए। विकसित भारत @2047 के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार स्तंभों पर आधारित भारत के विकसित होने का आह्वान किया है। जिसमें आर्थिक विकास एवं आत्मनिर्भरता, सामाजिक विकास एवं समानता, स्थिरता एवं जलवायु सहनशीलता और वैश्विक नेतृत्व शामिल हैं। सीएसआईआर इस सपने को साकार करने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। साथ ही डॉ संजय कुमार मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, धातु निष्कर्षण एवं पुनर्चक्रण ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। वहीं मुख्य अतिथि डॉ संदीप कुमार कर ने औद्योगिक दृष्टिकोण और राष्ट्र के आत्मनिर्भर भारत मिशन के अनुरूप, औद्योगिक चुनौतियों को हल करने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर बल भी दिया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों जैसे कच्चे माल की नमी प्रबंधन एवं परिवहन, सिंटर संचालन में ऊर्जा की बचत, कार्बन फुटप्रिंट में कमी, एलडी स्लैग का उपयोग, इस्पात एवं फेरो-एलॉय में कार्बन कैप्चर एवं उपयोग तथा उन्नत स्वदेशी इस्पात प्रौद्योगिकियों के विकास का उल्लेख भी किया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण की गौरवशाली यात्रा में सीएसआईआर परिवार एवं एनएमएल कार्मिकों को अपनी शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान कर्मचारियों के आश्रित बच्चों के लिए निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसके बाद मुख्य अतिथि डॉ संदीप कुमार कर ने निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं, सीएसआईआर-एनएमएल कर्मचारियों के आश्रित मेधावी छात्रों को पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर सीएसआईआर में 25 वर्ष पूर्ण कर चुके कर्मचारियों तथा 30 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को भी सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

निबंध प्रतियोगिता विजेता

श्रेणी 1 (कक्षा 5 से 8) : प्रथम पुरस्कार - पार्वती, द्वितीय पुरस्कार - सक्षम शर्मा, तृतीय पुरस्कार - आदर्श कुमार

श्रेणी 2 (कक्षा 9 से 12) : प्रथम पुरस्कार - नव्या श्रीवास्तव, द्वितीय पुरस्कार - रीमा कुमारी मुदी, तृतीय पुरस्कार - अक्षिता राज

चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कृत विद्यार्थी

जेश्विता, अनुभवी, आराध्या सिंह, हव्यास्री, प्रकृत कुमार, नभ श्रीवास्तव, स्निग्धा बागुई, सारन्या बेहरा, अनोखी, आर्यन सिंह गौर, जी. प्रणवी, प्रियंका कुमारी मुदी, रीमा कुमारी मुदी, एसएलवी जयश्री

उपायुक्त ने जिले में अधिकारियों को राजस्व संग्रहण करने का दिया आदेश

लातेहार, संवाददाता

बुधवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक का अयोजन किया , बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने वार्षिक लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करें , उन्होंने आंतरिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से राजस्व वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए , बैठक में जिले के नगर पंचायत क्षेत्र एवं अंचलों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक किए गए राजस्व संग्रहण की विस्तृत समीक्षा की गई , सभी पदाधिकारियों को वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य के शेष लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया , उन्होंने आपसी समन्वय स्थापित कर राजस्व संग्रह के शेष लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व संग्रहण की धीमी गति वाले विभागों को सुधारात्मक प्रगति लाने व शेष लक्ष्य को ससमय पूरा करने का निर्देश दिया गया , बैठक में उपायुक्त के द्वारा, भु-लगान, निबंधन, दाखिल-खारीज, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, भूमि-सीमांकन की समीक्षा की गई। इस दौरान सभी अंचालाधिकारियों को दाखिल-खारीज मामलों के समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया गया , बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक ने कई योजनाओं का किया भूमिपूजन व शिलान्यास

बेरमो, संवाददाता

डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने बुधवार को नावाडीह प्रखंड के कई गांवों में विभिन्न मद से पांच योजनाओं का भूमि पूजन व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजनान्तर्गत प्रखंड के पोटसो पंचायत के बंडासीमर नदी पर पुल निर्माण कार्य का भूमि पूजन तथा विधायक मद से बांधटांड में पानी टंकी से पानी टंकी टंडीया तक पीसीसी सड़क निर्माण, खरपिटो पंचायत के कुड़पनिया गांव में भुनेश्वर महतो के बारी से तेजो महतो के घर तक गार्डवाल का निर्माण, नावाडीह पंचायत के ताराटांड़ गांव में युगल महतो के खेत से सरयू महतो के खेत तक गार्डवाल निर्माण तथा चिरूडीह पंचायत के सदर गांव में शेर मोहम्मद के घर के सामने से पेंडरा बांध के जाने वाले रास्ते पर पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस दौरान विधायक महतो ने संबंधित संवेदकों को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी तरह की कोताही बरतने की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।वहीं कुड़पनिया तथा चिरूडीह में ग्रामीणों की समस्याओं को सुने और समाधान का आश्वासन दिया। इससे पहले पोटसो एवं कुड़पनिया में ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों के साथ विधायक का भव्य स्वागत किया। मौके पर जिप सदस्य फूलमती देवी, खरपिटो मुखिया नंदलाल नायक, पोटसो पंसस पति महतो, जेएलकेएम नेता संदीप कुमार महतो, महावीर महतो, कोलेश्वर महतो, दौलत महतो, चंद्रिका महतो, अनिल महतो,तेजो महतो, राजेश रजक, सुनील वर्मा,कृष्णा रविदास, सुनील महतो, तिलक नायक, मन्नालाल नायक, राकेश रविदास, सुजीत महतो सहित दर्जनों महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

परसुडीह सोसाइटी कॉलोनी की महिलाएं फिल्मी और गरबा की धुनों पर जमकर थिरकी

जमशेदपुर, संवाददाता

परसुडीह चर्च रोड को-ऑपरेटिव सोसाइटी कॉलोनी की महिलाओं द्वारा डांडिया कार्यक्रम का आयोजन कॉलोनी स्थित मैदान परिसर में धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में लगभग 75 से अधिक लोगों ने एक साथ गरबे की धुन में डांडिया रास किया। भक्ति संगीत की धुनों पर महिलाएं एवं किशोरियों ने अलग अलग समुह बनाकर डांस किया। जिससे वहां का माहौल भक्तिमय बना हुआ था। साथ ही फिल्मी और गरबा की धुनों पर सब जमकर थिरके। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के मधुर स्वर के साथ किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होने से हमारी संस्कृति समेत परंपराओं को पहचान मिलती है और जो आने वाली पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक बनने में सहायक होती है। इस दौरान महिलाओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर कर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया की धुन पर देर रात्रि तक गरबा और डांडिया रास का आनंद लिया। अंत में सभी ने लजीज व्यंजन का आनंद भी लिया। यह कार्यक्रम मंगलवार की देर शाम को आयोजित हुआ था। मौके पर बबली, स्वाति, कोमल, उषा, विनिता, सिन्धु, सुनीता, ललिता, अनिता, नीतू, अर्चना, रानी, अन्नु, प्रतिमा, गुड्डी, संतोष, मोहिनी समेत सोसाइटी की अन्य महिलाएं भी मौजूद थी।

बोकारो के सरोज कुमार मिश्रा को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

बोकारो, संवाददाता

झारखंड के बोकारो जिले के प्रख्यात चित्रकार सरोज कुमार मिश्रा को आज भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। सम्मान समारोह राजधानी दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, 15 जनपथ में आयोजित हुआ। यह पुरस्कार राष्ट्रीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के अवसर पर प्रदान किया गया, जिसमें सरोज कुमार मिश्रा को चित्रकला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चुना गया।राष्ट्रपति महोदय ने सम्मान प्रदान करते हुए कहा, यह पुरस्कार न केवल सरोज कुमार मिश्रा की कला प्रतिभा को सम्मानित करता है, बल्कि यह हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित करता है। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद अपने उद्बोधन में सरोज कुमार मिश्रा ने भावुक शब्दों में कहा, मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति महोदय का आभारी हूं। यह पुरस्कार मुझे और अधिक प्रेरित करता है कि मैं चित्रकला के क्षेत्र में और भी उत्कृष्ट कार्य करूं। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा, यह पुरस्कार झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को देशभर में गौरवान्वित करता है। कार्यक्रम में संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव सुश्री अमिता प्रसाद सरभाई, तथा ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. नंद लाल ठाकुर सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सभी ने सरोज कुमार मिश्रा को उनकी उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बालक बालिका टीम रांची रवाना

रामगढ़, संवाददाता

डीईओ कुमारी नीलम और एडीपीओ नलिनी रंजन ने हरी झंड़ी दिखाकर किया रवाना।

बुधवार को झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद रामगढ़ में जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम और एडीपीओ नलिनी रंजन ने रांची के खेलगांव स्थित राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बालक एवं बालिका टीम को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने कहा कि यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रांची में आयोजित की जा रही है। जिसमें जिले से 48 बालक बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पिछले वर्ष रामगढ़ जिला अंडर 17 बालक वर्ग में जनता +2 उच्च विद्यालय चैनपुर मांडू की टीम ने राज्य में विजेता रही थी। इस वर्ष भी रामगढ़ जिला का राज्य में अच्छा प्रदर्शन करेगी। वहीं एडीपीओ नलिनी रंजन ने कहा कि दोनों टीमें काफी सशक्त गठित की गई है। इसमें बेहतर सामंजस्य बैठकर खिलाड़ियों का चयन किया गया है यह टीम बेहतर करेगी ऐसी उम्मीद है। मौके पर एपीओ कुमार राज,शिक्षक मिथलेश कुमार रविदास,कमल कुमार महतो,शेखर कुमार,दीपक कुमार सिंह, कुलदीप कुमार, रौशन करमाली, प्रियंका कुमारी,मनीष कुमार सिंह, मो. मुस्तकीम,पंकज कुमार राय, आलोक कुमार मिश्रा, खेमलाल महतो, बीरेंद्र कुमार, भीखन तिर्की,माधुरी सिंह, अर्चना मेहता, बसंत नायक सहित जिले के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जीएसटी दरों में कटौती के बाद रामगढ़ कैंट में चल भाजपा का जागरूकता अभियान, सांसद मनीष जायसवाल ने बीजेपी कार्यकताओं संग किया पदयात्रा

रामगढ़, संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के 'सेवा पखवाड़ा-2025' के तहत केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई कटौती को लेकर बुधवार को रामगढ़ कैंट में एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में आयोजित इस पदयात्रा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल विशेष रूप से शामिल हुए। यह पदयात्रा रामगढ़ शहर रामगढ़ कैंट मेन रोड के सुभाष चौक से शुरू होकर गुरुद्वारा रोड होते हुए लोहार टोला तक गई। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल और भाजपा कार्यकताओं ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में जाकर दुकानदारों और ग्राहकों को नई जीएसटी दरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सांसद ने दुकानदारों से अपील की कि वे संशोधित दरों के अनुसार ही ग्राहकों को सामग्री बेचें। कार्यकताओं ने हाथों में भाजपा के झंडे और जीएसटी में कमी तथा स्वदेशी जागरण से संबंधित तख्तियाँ लेकर खूब नारे बुलंद किए । सांसद मनीष जायसवाल ने विभिन्न प्रतिष्ठान संचालकों और ग्राहकों को गुलाब के फूल भेंट कर नई जीएसटी के अनुरूप खरीद-बिक्री करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का भावनात्मक आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्सवों की शुरूआत के अवसर पर जनता को बचत उत्सव का तोहफा दिया है। अभियान के दौरान लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल सहित भाजपा नेताओं का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। कई प्रतिष्ठान संचालकों ने नई जीएसटी दरों का पालन करने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आश्वासन भी दिया। इस पदयात्रा में जीएसटी घटी मिली दिवाली उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार, ₹हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी और ₹पीएम मोदी का आभार₹ जैसे नारे गूंजते रहे। इस पदयात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ कुटू बाबू, विजय जायसवाल, राजू चतुवेर्दी, रामगढ़ जिला के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, रामगढ़ भाजपा नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, लोकसभा क्षेत्रवके सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रामगढ़ विधानभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस, सांसद प्रतिनिधि सरदार अनमोल सिंह, प्रो. संजय सिंह, खिरोधर साहू, छोटन सिंह उर्फ रंजन फौजी, लक्ष्मी देवी, राजेश ठाकुर, अनिल मिश्रा, शीतल सिंह, मिथलेश कुमार मंडल, आलोक सिंह, सत्येंद्र सिंह, रॉबिन गुप्ता, ऋषिकेश सिंह, गौतम कुमार महतो, संतोष कुमार साहू, बृजेश पाठक आदि थे।

मामला कुर्मी महतो को एस टी आरक्षणमें शामिल करने को लेकर

रामगढ़, संवाददाता

कुर्मी महतो के द्वारा एस टी कोटा में आरक्षण के मामले को लेकर जिला भर के आदिवासी समाज के भाई बहनों ने सिंधु कानू मैदान से लेकर समनालय के मुख्य गेट तक 8 किलोमीटर की लंबी लाइन चलती रही. हनुमंत कहा जा सकता है कि लाखों की संख्या में आदिवासी भाई बहनों ने अपनी जज्बा,, जोश, और शक्ति का प्रदर्शन आंदोलन के रूप में जबरदस्त ढंग से किया और रामगढ़ की धरती पर इतनी भीड़ इसके पहले कभी देखने को नहीं मिला। शांतिपूर्ण आंदोलन के रूप में चल रहे आदिवासी समाज के लोगों ने कुर्मी महतो के आरक्षण के खिलाफ नारा बुलंद किया और समानाथालय के गेट की मुख्य सड़क जो मुख्य मार्ग से 3 किलोमीटर के अंदर, आदमी को खड़ा रहने का स्थान नहीं मिल रहा था। जिला के सभी प्रखंडों पतरातु रामगढ़,गोला, दुलमी, चित्तरपुर और मांडू के विभिन्न गांव एवं जंगलों की फिजाओं में रहने वाले विभिन्न आदिवासी समुदाय के लोगों का उग्र प्रदर्शन रहा, लेकिन शांतिपूर्ण.। भीड़ इतनी थी की सड़क के दोनों और गाड़ियों की लंबी लाइन लगी हुई थी, आलम यह था की मोटरसाइकिल भी पर करना मुश्किल था। सभी प्रखंडों से आए आदिवासी समाज के लोगों ने अपने बैनर तले अपनी आवाज को बुलंद किया। प्रदर्शन करने वालों में राजेश्वर गंजू, ललित राम, राजकुमार राय, नीरज मुंडा, डीसी को ज्ञापन भी सौंपा।

दुर्गा पूजा को लेकर नावाडीह और पेंक थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल/नावाडीह (बेरमो)। नावाडीह थाना परिसर में मंगलवार को दुर्गा पूजा/दशहरा महोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजन की गयी।बैठक की अध्यक्षता प्रमुख पूनम देवी ने की।मौके पर प्रमुख पूनम देवी ने दशहरा पर्व आपसी सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील जनप्रतिनिधियों से की। साथ ही कहा कि किसी प्रकार की गड़बड़ी करने वाले असमाजिक तत्वों की पहचान कर उसकी सूचना प्रशासन को तुरंत दें। साथ ही कहा कि प्रत्येक पूजा पंडाल के जिम्मेवार व्यक्ति को सरकारी गाइड लाइन का पालन करना अति आवश्यक होगा। वही सीओ अभिषेक कुमार तथा बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने कहा कि डीजे पर पूर्णरूपेन प्रतिबंध हैं।पूजा कमिटी के सभी सदस्यों के पास आईकार्ड होना बेहद जरूरी है। साथ ही मोटरसाइकिल स्टेंड जरूर बनाए । सभी पंडाल में अग्निशामक यंत्र जरूर हो, श्रद्धालुओं के लिए इंट्री एवं एग्जिट की सुविधा हो।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रशासन पूर्ण रूप से नजर रखेगी चुकी व्हाट्स एप्प या फेसबुक पर आज के युवा दिग्भर्मित करने वाली पोस्ट को डाला करते हैं, इससे बचने की जरूरत है।सभी पूजा समिति को निर्देश देते हुए कहा कि पूजा का आयोजन व विसर्जन का रूट के साथ आवेदन जमा करें।पूजा समिति के अध्यक्ष व सचिव का मोबाइल नम्बर भी दें। उन्होंने कहा कि सभी जनता का सहयोग अपेक्षित है। थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी और नीतिश कुमार ने सरकार के गाइड लाइन से पूजा समिति के सदस्यों सहित ग्रामीणों को अवगत कराते हुए कहा कि पूजा समिति को लाइसेंस लेना होगा। उन्होंने मंदिर एवं मेला प्रांगण में सीसीटीवी कैमरा लगाने, निर्वाध बिजली के लिए जनरेटर लगाने, डीजे बाजा, शराब पर पूर्ण प्रतिबंध रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि अफवाह से बचे और सामाजिक तत्वों की सूचना दे। वहीं बैठक में शामिल कई लोगों ने पूरी नवरात्र भर प्रशासन से अवैध शराब पर अंकुश लगाने की मांग की। चुकी किसी भी अप्रिय घटना घटने का मुख्य कारण केवल शराब ही है। जिसपर थाना प्रभारी ने कहा कि अवश्य ही पुलिस अवैध शराब पर शिकंजा कसेगी।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो पुलिस को तुरंत ही सूचना दें। मौके पर नावाडीह जिप सदस्य महेंद्र प्रसाद,सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो,पूर्व प्रमुख मोहन महतो, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राकेश भारती, मुखिया किरण देवी, नरेश विश्वकर्मा, उमेश महतो, प्रदीप वर्मा, आरती देवी, पूर्व मुखिया रणविजय सिंह, भलमारा मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र प्रसाद, पंसस ममता भट्टाचार्य, पति महतो, डिलेश्वर महतो ,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इमरान अंसारी, बासुदेव शर्मा, बालेश्वर महतो,राज हसन, दशरथ महतो, दिनेश प्रसाद, मनोज गुप्ता, दिनेश प्रसाद, नारायण कानू,सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

अरगड्डा सुरक्षा टीम पर कथित कोयला चोरों ने दिन दहाड़े किया हमला

रामगढ़, संवाददाता

अरगड्डा सुरक्षा टीम पर कथित कोयला चोरों ने बंद पड़े केडी कंपनी स्थित चूनाभट्टा के समीप अचानक दिन दहाड़े हमला कर दिया गया। जिसमें सुरक्षा विभाग के एक अधिकारी समेत चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। और बेहतर इलाज के लिए सुरक्षा अधिकारी एवं एएसएसआई को केंद्रीय अस्पताल नईसराय रेफर कर दिया गया है। कि अचानक असमाजिक तत्वों द्वारा उनपर हमला बोल दिया गया। जिसमें एक सुरक्षा अधिकारी दीपक कच्छप व एएसएसआई प्रदीप बाड़ा, प्रहरी संजीत कुमार, होमगार्ड थरमू उरांव, मुबारक केरकेट्टा घायल हो गए। जहाँ से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल गिद्दी ए ले जाया गया। सुरक्षा अधिकारी दीपक कच्छप एवं एएसएसआई प्रदीप बाड़ा को बेहतर इलाज के लिए केंद्रीय अस्पताल नईसराय भेजा गया है।घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र की है। घटना की सूचना के उपरांत गिद्दी पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी के मुताबिक सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र की सुरक्षा विभाग के गश्ती दल सुरक्षा अधिकारी प्रदीप कच्छप के नेतृत्व में सिरका चुनाभट्टा स्थित भूली क्वार्टर बोलेरो जेएच 01ईयु 5684 में सवार होकर पेट्रोलिंग के लिए निकला था। लेकिन जैसे ही सुरक्षाकर्मी बोलेरो से चूना भट्टा टाड़ के समीप पहुंचा, वैसे ही कई लोगों ने बोलेरो को घेर लिया। और नोक झोंक होने लगी, बाद में गाड़ी में ही बैठे सुरक्षा कर्मियों के साथ भीड़ ने मारपीट करना शुरू कर दिया गया। माहौल को देखते हुए सुरक्षाकर्मी बोलेरो को लेकर किसी प्रकार वहां से भाग निकले। मारपीट में सुरक्षा टीम के लोगों के पैर, मुंह व अन्य अंदरूनी चोटे लगी है। बोलेरो को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया। बहरहाल पुलिस द्वारा मामले की पड़ताल की जा रही है।जबकि घायलों का इलाज चल रहा है।

गोला में पलाश आजीविका दीदी कैफे का विधायक ने किया शुभारंभ

गोला। गोला स्थित प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को पलाश आजीविका दीदी कैफे का उद्घाटन किया गया। जेएसएलपीएस के माध्यम से आशा महिला स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा संचालित इस दीदी कैफे का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामगढ़

विधायक ममता देवी एवं विशिष्ट अतिथि गोला बीडीओ डॉ सुधा वर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक ममता देवी ने कहा कि जेएसएलपीएस का यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से दीदियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ते हुए आजीविका के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि समाज में भी उनकी सशक्त भूमिका सुनिश्चित होगी। विधायक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग और पहल से ही आज महिला स्वयं सहायता समूह की दीदियों को अपने हुनर के दम पर आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, मनोज कोटवार, गौरीशंकर महतो, तस्लीम अंसारी, मेहताब राही, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार महतो, बीपीएम विपिन कुमार, एफटीसी महेंद्र कुमार, सीसी इंद्रजीत प्रसाद, देवनारायण, श्यामलाल, आशा महिला समूह की हेमा देवी, जीरा देवी, मांदो देवी, गीता देवी, उर्मिला देवी, कलावती देवी, आरती देवी, सोनी देवी सहित कई महिलाएं शामिल थीं।

स्वच्छता, टीमवर्क और फिटनेस का संदेश देने के लिए मैराथन का आयोजन

रामगढ़। जिले में स्वच्छता, सामूहिक भागीदारी और फिटनेस का संदेश देने के लिए बुधवार को मैराथन का आयोजन किया गया। नगर परिषद के द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए जागरूकता फैलाई गई। मैराथन के

दौरान स्वच्छता का महत्व, सभी वर्गों को प्रोत्साहित करने, शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने जैसे संदेश दिए गए। पुरुष और महिलाओं के बीच अलग-अलग दौड़ का आयोजन हुआ। पुरुष वर्ग में प्रथम सूरज नायक, द्वितीय सुधीर कुमार और तृतीय ओमप्रकाश बेदिया विजेता रहे। स्त्री वर्ग में प्रथम रिया कुमारी, द्वितीय नंदनी कुमारी और तृतीय लक्ष्मी कुमारी विजेता रहीं। नगर प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि गांधी जयंती के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। नगर परिषद रामगढ़ के कार्यपालक पदाधिकारी अजमल हुसैन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों और शहरवासियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कहा कि हम आगे भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाते रहेंगे।

ईचातु और बोरोबिंग में पीसीसी पथ के निर्माण कार्य का सांसद ने किया शिलान्यास

जनता की मांग और सुविधा ही हमारी प्राथमिकता है : मनीष जायसवाल

रजरप्पा। दुलमी प्रखंड अंतर्गत ईचातु पंचायत में देवदीप महतो के घर से ईश्वर महतो के घर तक डीएमएफटी मद से करीब 60 लाख की लागत से बनने वाले पीसीसी पथ के निर्माण कार्य का बुधवार को शिलान्यास हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि विधायक के प्रतिनिधि बजरंग

महतो ने नारियल फोड़कर व शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। पुजारी जनार्दन पांडेय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन करवाकर शिलान्यास संपन्न कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों के आग्रह पर सांसद ने सड़क का निरीक्षण भी किया। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से गार्डवाल निर्माण की मांग रखी, जिसे सांसद ने भी जायज पाया। साथ ही ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि दशहरा के बाद गार्डवाल निर्माण को स्वीकृति दिलाकर सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। सांसद ने कहा कि जनता की मांग और सुविधा ही हमारी प्राथमिकता है। इससे पूर्व संवेदक चिंतामणि प्रसाद व विनोद वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिप अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, मुखिया परमेश्वर राम पटेल, ईश्वर महतो, देवदित महतो, अमित महतो, निर्मल बेदिया, रामदृष्ट महतो, गौरीशंकर महतो, तस्लीम अंसारी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। इधर, चितरपुर प्रखंड के बोरोबिंग पंचायत भवन से रामजतन मुंडा के घर तक 20 लाख की लागत से 800 मीटर पीसीसी सड़क के निर्माण कार्य का सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक के प्रतिनिधि बजरंग महतो ने शिलान्यास किया। इस अवसर पर लक्ष्मण महतो, प्रदीप महतो, संवेदक विनोद वर्मा, केदारनाथ महतो, विकास मुंडा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

आत्मा प्रबंधन समिति एवं जिला कृषक सलाहकार समिति की बैठक

रामगढ़। आत्मा कार्यालय रामगढ़ में बुधवार को आत्मा प्रबंधन समिति एवं जिला कृषक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में कृषकों के हालात को बदलने के लिए उन्हें और बेहतर बनाने पर चर्चा हुई किसानों को बेहतर संस्थान में प्रशिक्षण दिलाने पर भी चर्चा हुई।

आदिवासियों के संवैधानिक हक अधिकारों, राजनीतिक हिस्सेदारी आरक्षण में लगाएं रोक

रामगढ़ में आदिवासी समाज ने कुड़मी, कुरमी जाति द्वारा आदिवासी समाज में शामिल होने के विरोध में निकाला मार्च

रामगढ़। कुड़मी, कुरमी जाति समुदाय द्वारा आदिवासी समाज में शामिल होने के विरोध में बुधवार को आदिवासी छात्र संघ के तत्वाधान में विरोध मार्च निकाला गया। विरोध मार्च शहर के बाजार टांड़ स्थित सिद्धू-कान्हु मैदान से आरंभ होकर कैथा, कोवार होते हुए छत्तरमांडू स्थित जिला समाहरणालय पहुंचा। इस दौरान पूरे शहर की यातायात व्यवस्था कुछ घंटे के लिए ठप पड़ गई। लोग इधर-उधर जाते दिखे।

राष्ट्रपति के नाम डीसी को सौंपा पांच सूत्री मांग पत्र

यहां समाज का एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम डीसी को पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि कुड़मी, कुरमी जाति द्वारा हमारे मूल आदिवासी की संवैधानिक हक अधिकार राजनीतिक हिस्सेदारी, प्रतिनिधित्व आरक्षण, नौकरी और जमीन पर हकमरी करने के लिए आदिवासी, अनुसूचित जनजाति बनने की अनुचित दावों का तत्काल रोक लगाया जाए, कुड़मी, कुरमी के द्वारा अनुचित राजनीतिक दवा बनाकर आदिवासी सूची में शामिल होने की मांग या षड्यंत्र पर अविलंब रोक लगाया जाए एवं आदिवासियों के लिए निर्धारित विशेष संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत सलाह भारत सरकार को दिया जाए, हम आदिवासियों को संविधान द्वारा प्रदत्त विशेष कानून और अधिकारों को कमजोर करने वाली जैसी भी कोशिश

अथवा दुरुपयोग को रोकने के लिए एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, चुआड़ विद्रोह में रघुनाथ महतो, कोल विद्रोह में बुली महतो और संथाल विद्रोह में चनकु महतो जैसे नाम के कुलनायकों को आदिवासी समुदाय के ऐतिहासिक संघर्ष और योगदान को कुड़मी, कुरमी जाति के लोग द्वारा अपने इतिहास में प्रस्तुत करने की साजिश को रोक लगाया जाए, कुड़मी, कुरमी जाति समुदाय द्वारा आदिवासी जनजाति एसटी बनने की मांग को लेकर असंवैधानिक और अनुचित तरीके से रेल टेका डहर छेका कार्यक्रम के द्वारा रेल परिचालन रोकने, सरकारी राजस्व की हानि पहुंचाने जैसे कानूनी कार्यों में शामिल लोगों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाए, कुड़मी, कुरमी जाति अधिकांश लोग परंपरागत रूप से कृषि कार्य से जुड़ा है, हिंदू धर्म के अनुसार कुड़मी, कुरमी हिंदुओं की एक जाती है कुड़मी, कुरमी भारत सरकार के प्राचीन कृषि जाति के रूप में जाना जाता है और यह लोग अपने छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति संभाजी महाराज के वंशज कल आते हैं जो उच्च कोटि कुड़मी, कुरमी जाति से आते है, गलत हुआ फर्जी इतिहास बता कर एसटी बनने की मांग करता है जो अनुचित है इसे रोक लगाया जाए मांग शामिल है।

ए ला एंग्लाइज स्कूल में विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भुरकुंडा। ए ला एंग्लाइज स्कूल में विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता और स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए बुधवार को इको क्लब द्वारा दो महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की गई। इनमें एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रातःकालीन सभा में प्रमाण-पत्र वितरण किया गया। इसमें वे विद्यार्थी शामिल हैं, जिन्होंने पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी ली है। वहीं स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पांचवीं से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के बीच निबंध, लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी बोध कराना हमारा कर्तव्य है। एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना है। इसी तरह स्वच्छता पखवाड़ा जैसी गतिविधियां उन्हें स्वच्छता की आदतों और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं। मौके पर केजी की प्राचार्या अंजू पटेल, प्रशासक संजय कुमार, धर्मेश सोनी, जयकिशोर प्रसाद महतो सहित स्कूल परिवार मौजूद था।

सांसद मनीष जायसवाल ने निकाली जीएसटी बचत उत्सव पदयात्रा

त्योहारों का बंपर गिफ्ट है जीएसटी में कटौती, हर परिवार होगा लाभान्वित : मनीष जायसवाल

रामगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी के नए स्लैब को लागू कर त्योहारों का बंपर गिफ्ट आम जनता को दे दिया है। अब हर घर में जरूरी सामान की खरीददारी पर भी बड़ी बचत हो रही है। उक्त बातें बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कही। उन्होंने विरोधी दलों को भी आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से पहले कई तरह के टैक्स और वैट देश में लागू थे, जो अधिकतम 25 प्रतिशत तक होते थे। इसके अलावा व्यापारी सभी कार्यालयों में शोषित होते थे। जीएसटी ने इस लचर व्यवस्था को खत्म किया था। अब जीएसटी के सिर्फ दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही रह गए हैं। इसके अलावा कई जरूरी सामानों पर 0 प्रतिशत टैक्स कर दिया गया है।

सांसद ने निकाली जीएसटी बचत उत्सव पदयात्रा : प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले उन्होंने जीएसटी बचत उत्सव पदयात्रा निकाली और आम जनता को जागरूक किया। उन्होंने आम नागरिकों से खरीदारी से पहले दुकानदार को नई जीएसटी स्लैब पर ही बिल बनाने की मांग करने को कहा। इस दौरान वे दुकानदारों से भी मिले और उन्हें नए जीएसटी के आधार पर ही सामान बेचने की अपील की।

22 सितंबर के क्लोजिंग स्टॉक पर सेल टैक्स देगा रिबेट : सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि कुछ दुकानों में जनता को परेशानी होने की सूचना मिली थी। स्पष्ट है कि 22 सितंबर तक दुकानदार के स्टॉक में जितना सामान होगा, सेल टैक्स उसपर डिफरेंस टैक्स का रिबेट देगा, ताकि दुकानदारों को भी इसका नुकसान न भरना पड़े।

जरूरी सामान हुआ सस्ता, लग्जरी आइटम के दाम हुए कम : सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जीएसटी के नई स्लैब ने जरूरी सामान को सस्ता कर दिया है। साथ ही लग्जरी आइटम के दाम में भी भारी कटौती हुई है। मध्यम वर्ग राशन दुकान में भी जाएगा तो उसे इसका फायदा जरूर होगा। यहां तक की दवाइयों और इलाज में भी आम नागरिकों को फायदा मिल रहा है।

रामगढ़ कोर्ट में महिला प्रतीक्षालय और शिशु गृह का हुआ उद्घाटन

हाई कोर्ट जस्टिस दीपक रौशन पत्नी सारिका भूषण के साथ पहुंचे रामगढ़

रामगढ़। रांची हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रौशन बुधवार की शाम अपनी पत्नी सारिका भूषण के साथ रामगढ़ व्यवहार न्यायालय पहुंचे। यहां उन्होंने महिला प्रतीक्षालय और शिशु गृह का उद्घाटन किया। रामगढ़ व्यवहार न्यायालय में जस्टिस दीपक रौशन और उनकी पत्नी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

रामगढ़ पुलिस के द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर रामगढ़ व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। जस्टिस तथा उनकी पत्नी ने इस अवसर पर न्यायालय परिसर में पौधा रोपण भी किया। व्यवहार न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय राजीव आनन्द, प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम विशाल श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मनोज कुमार राम, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी संदीप बर्तम, अवर न्यायाधीश-सह- न्यायिक शिवेन्दु द्विवेदी, अवर न्यायाधीश-सह- न्यायिक दण्डाधिकारी संजीबिता गुड़ेन, डालसा सचिव अनिल कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी आलोक कुमार, प्रभारी न्यायाधीश (प्रशासन) सह - न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी हर्षित तिवारी तथा न्यायिक दण्डाधिकारी आयशा सिंह सरदार, एसपी अजय कुमार, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, गोपनीय शाखा प्रभारी-सह-नजारत उप-समाहर्ता रविन्द्र कुमार गुप्ता, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय, सार्जेंट मेजर मंटू यादव ने झारखण्ड की पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान रामगढ़ जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, महासचिव सीताराम समेत अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने भी जस्टिस दीपक रौशन का स्वागत किया।

स्कूल के बच्चों को ट्रेनर ने सिखाया सीपीआर देने का तकनीक

रामगढ़। डीसी फैज अक अहमद मुमताज वह मुहिम चला रहे हैं, जिससे आपातकाल में इंसान की जान बच सके। बड़े लोगों के साथ-साथ उन्होंने स्कूली बच्चों को भी सीपीआर का प्रशिक्षण दिलाना शुरू कर दिया है। उनके निर्देश पर बुधवार को कई सरकारी विद्यालयों में ट्रेनर के द्वारा स्कूली बच्चों को सीपीआर देने का तकनीक बताया गया। यहां बच्चे न सिर्फ किताबी ज्ञान ले रहे थे, बल्कि वह खुद सीपीआर कैसे दिया जाए, वह करके भी देख रहे थे। सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण देकर 3229 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। उत्क्रमित उच्च विद्यालय बढ़की कुंदरू, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय नीचे टोला, प्राथमिक विद्यालय सरैया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोदरोबेड़ा, प्राथमिक विद्यालय कुंदरुखुर्द में सीपीआर एवं फर्स्ट एड उपचार संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

भारत विकास परिषद रामगढ़ शाखा ने किया पोस्टर विमोचन, सामूहिक विवाह समारोह 30 नवंबर को

51 जोड़े सजेंगे परिणय सूत्र में, दहेज जैसी कुप्रथा होगी समाप्त : पवन अग्रवाल

रामगढ़। भारत विकास परिषद रामगढ़ शाखा के पदाधिकारियों ने नई सराय स्थित रॉयल एनफील्ड शोरूम के सभागार में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर पोस्टर विमोचन के साथ जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष सह सामूहिक विवाह कार्यक्रम के मुख्य संयोजक गोविंद मेवाड़ ने बताया कि

सामूहिक विवाह समारोह को सफल बनाने के लिए वृहद रूप से तैयारी की जा रही है। इसी लेकर समारोह का पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ के समाजसेवी पवन अग्रवाल उपस्थित हुए है। वहीं, मुख्य अतिथि पवन अग्रवाल ने कहा कि भारत विकास परिषद रामगढ़ शाखा का यह कार्यक्रम बहुत ही प्रशंसनीय है और समाज के जरूरतमंद अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर समाज में दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए यह सामूहिक विवाह समारोह मिल का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम संयोजक गोविंद मेवाड़ ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि इस सामूहिक विवाह के सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को अहम जिम्मेदारी दी गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये थे उपस्थित : प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत विकास परिषद रामगढ़ शाखा के अध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह, मंत्री सरदार मनमोहन सिंह लांबा, कोषाध्यक्ष रामप्रवेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अमित साहु, उमेश राजगढ़िया, पूर्व मंत्री रंजीत चौधरी महिला सहभागिता पूनम सिंह आदि उपस्थित थे।

फुटबॉल, क्रिकेट, चेस, आर्चरी, योग जैसे खेल में 50 हजार से अधिक खिलाड़ी होंगे शामिल

हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में हो रहा राज्य का सबसे बड़ा खेल महोत्सव : सांसद

रामगढ़। झारखंड राज्य का सबसे बड़ा खेल महोत्सव हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में हो रहा है। पिछले तीन महीनों से लगातार जारी फुटबॉल टूर्नामेंट संसदीय क्षेत्र के 22 प्रखंडों में चल रहा है। 18 प्रखंडों में तो यह टूर्नामेंट खत्म हो चुका है। उक्त बातें बुधवार को होटल शिवम इन के सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा से मुक्ति दिलाने और गैर जरूरी कार्यों से हटकर उन्हें खेल से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। फुटबॉल टूर्नामेंट में ही लगभग 2500 से अधिक खिलाड़ियों ने शिरकत किया।

इनके विजेता और उपविजेताओं का फाइनल मैच मेगा इवेंट के रूप में आम नागरिकों के बीच प्रस्तुत किया जाएगा। हजारीबाग और रामगढ़ जिले में अलग-अलग मैच होंगे।

खेल महोत्सव में जुड़े पांच कन्वेंशनल गेम

अब इस टूर्नामेंट में पांच कन्वेंशनल गेम को जोड़ा गया है। इसमें क्रिकेट, चेस, पिट्ठू, आर्चरी, रस्सा-कशी, योग आदि शामिल हैं। इन खेलों में भाग लेने के लिए वेबसाइट से ऑनलाइन ही लोगों को आवेदन देना होगा। फुटबॉल और इन सभी खेलों को मिलाकर लगभग 50000 से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ने का प्रयास है। मेगा फाइनल मैच 25 दिसंबर 2025 को खेला जाएगा। इस दिन पूरा संसदीय क्षेत्र पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये थे उपस्थित: प्रवीण मेहता, रणंजय कुमार उर्फ कुटू बाबू, रंजन फौजी, राजीव जायसवाल, अनमोल सिंह, विजय जायसवाल, धनंजय कुमार पुटूस, राजेश ठाकुर, ब्रजेश पाठक, दीपक सोनकर, रौबिन गुप्ता, आलोक सिंह आदि उपस्थित थे।

विहिप जिला मंत्री छोटू वर्मा ने प्रेस बयान जारी कर कहा

गरबा-डांडिया कार्यक्रमों में गैर हिन्दुओं का प्रवेश वर्जित हो : छोटू वर्मा

रामगढ़। नवरात्र के पावन पर्व पर गरबा-डांडिया आयोजनों को लेकर विश्व हिंदू परिषद् के रामगढ़ जिला मंत्री छोटू वर्मा ने बुधवार को प्रेस बयान जारी करते हुए कहा है कि रामगढ़ जिले भर जहां जहां भी गरबा-डांडिया का आयोजन किया जा रहा है उनके आयोजकों को साफ संदेश दिया जाता है कि ये आयोजन हिंदू संस्कृति के अनुरूप ही होना चाहिए। गरबा और डांडिया हिंदू धर्म के कार्यक्रम हैं,यह हमारे लिए आस्था का विषय है,इन कार्यक्रमों में अगर दूसरे धर्म के लोग घुसने का प्रयास करेंगे तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता स्वयं पंडालों में जाएंगे और निगरानी रखेंगे ताकी कोइ भी गैर हिन्दू प्रवेश नहीं करें।आगे उन्होंने गरबा डांडिया आयोजकों से अपील करते हुए कहा है कि गरबा - डांडिया कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रवेश देते समय उसका

आधार कार्ड जरूर चेक करें। आधार कार्ड की जांच के पीछे मकसद यह है कि गैर हिंदुओं की पहचान हो सके और वे कार्यक्रम में शामिल न हो सकें। क्योंकि नवरात्र में गरबा -डांडिया उत्सव में गैर हिन्दू प्रवेश कर हिंदू माताओं और बहनों के साथ छेड़छाड़ करते हैं और लव जिहाद करतें हैं।यदि गैर हिन्दू कहीं प्रवेश करते हैं या गैर हिन्दू कार्यक्रम आयोजित कर हिन्दूओं को कार्यक्रम में शामिल करते हैं तो विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल रामगढ़ जिला खुलकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

कुड़मी समाज आदिवासियों से पूरी तरह अलग : आदिवासी समाज

भुरकुंडा। कुड़मी समाज को एसटी सूची में शामिल करने की मांग का आदिवासी समाज ने विरोध करते हुए बुधवार को रामगढ़ रवाना हुए। इसमें कोड़ी, अरमादाग, बारीडीह, जोबो, सुद्दी, सांकी, पाली, चिकोर, देवरिया, कुरसे, बलकुदरा, लेम, बिचा, किन्नी, जराद आदि गांवों के दर्जनों आदिवासी शामिल थे। इसके पूर्व आदिवासी समुदाय के लोगों ने मतकमा चौक में इकट्ठा होकर आदिवासी संस्कृति पर हमला करना बंद करो का नारा बुलंद किया। मौके पर आदिवासी समुदाय के नेताओं ने बताया कि पूरे जिला से समुदाय के लोग सिद्धो-कान्हो फुटबॉल मैदान रामगढ़ में एकजुट होंगे। वहां से रामगढ़ समाहरणालय पहुंच विरोध

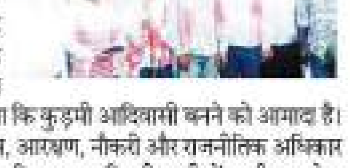

प्रदर्शन किया जाएगा। कहा गया कि कुड़मी आदिवासी बनने को आमादा है। कुड़मी आदिवासियों की जमीन, आरक्षण, नौकरी और राजनीतिक अधिकार पर कब्जा करने के लिए अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध होना चाहता है। आदिवासी समाज के हक और अधिकार छीनने के लिए साजिश रची जा रही है। कुड़मी समाज आदिवासियों से पूरी तरह अलग है। कुड़मी को एसटी का दर्जा दिए जाने का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी कीमत में कुड़मी जाति को सीएनटी एक्ट में नहीं शामिल होने देंगे। विरोध करने वालों में विजय मुंडा, इंद्रि मुंडा, रामदास बेदिया शामिल है।

शू डिजाइनिंग में बनाएं अपना करियर

आजकल फुटवेयर फैशन काफी ट्रेंड में है। लोग तरह-तरह के शूज और सैंडल पहनते हैं। कहा जा रहा है कि अगले 5 साल तक फुटवेयर इंडस्ट्री में लगभग 1 मिलियन नौकरी होगी। अगर आप भी कुछ यूनीक करियर की खोज रहे हैं या फिर डिजाइनिंग में करियर बनाना है, तो आप शू डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं।

फैशन के दौर में आजकल ट्रेंडी फुटवियर की काफी डिमांड है। बताया जा रहा है कि लेदर और नॉन लेदर फुटवेयर इंडस्ट्री में अगले पांच साल में 1 मिलियन से भी ज्यादा नौकरियां होंगी।

फुटवियर इंडस्ट्री में करियर ऑप्शन्स क्या है?

- फुटवियर डिजाइनर
- फुटवियर डेवलपर
- रिटेल स्टोर्स मैनेजर
- प्रोडक्शन मैनेजर
- फुटवियर टेक्नीशियन
- फुटवियर मर्चेंडाइजर
- रिटेल मैनेजर
- प्रोडक्ट मैनेजर
- फैशन डिजाइनर
- फुटवेयर डेवलपमेंट मैनेजर

डिग्री व सर्टिफिकेट कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स

- सर्टिफिकेट इन फुटवेयर डिजाइन
- सस्टेनेबल फुटवेयर स्पेशलिस्ट
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन फुटवेयर मैन्यफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन फुटवेयर डिजाइन

डिग्री

- बैचलर ऑफ डिजाइन
- मास्टर्स ऑफ डिजाइन

तमिलनाडु देश का बड़ा लेदर एक्सपोर्टर इस समय भारत में हाई-क्वालिटी फुटवेयर बन रहे हैं बल्कि एक्सपोर्ट भी किए जा रहे हैं। लेदर, लेदर प्रोडक्ट्स और फुटवियर का 40% एक्सपोर्ट करने वाला तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है।

एआई को अपना दोस्त बनाएं नौकरी का डर होगा खत्म!

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा है। लोगों का मानना है किए आई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं।

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है कि एआई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं। ह्यूमन टच, क्रिएटिव और स्ट्रैटजिक वाले रोल्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप खुद को अपस्किल करें और थोड़ा सा कॉन्फिडेंस लाएं व एआई को अपना दोस्त बनाते हैं, तो यह तय है कि मार्केट में आपकी डिमांड कभी खत्म नहीं होगी।

कस्टमर सर्विस

पिछले साल एक स्टडी में कहा गया कि एआई से 60% कॉल सेंटर जॉब्स प्रभावित हो सकती है।

मार्केटिंग

हालांकि बेसिक डिजिटल मार्केटिंग रोल्स खतरे में हैं, लेकिन क्रिएटिव कैंपेन स्ट्रैटेजी ह्यूमन्स सुरक्षित हैं।

हेल्थकेयर

डायग्नोस्टिक्स और रिकॉर्ड-कीपिंग को एआई टूल्स ऑटोमेट कर रहे हैं।

एजुकेशन

ट्यूटर्स और ऑटोमेटेड ग्रेडिंग सिस्टम्स बेसिक टीचिंग असिस्टेंट रोल्स एआई कम करने का काम कर रहा है।

लीगल

कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस और बेसिक रिसर्च को एआई ऑटोमेट कर रहा है। वहीं इसका असर पैरालीगल और जूनियर लॉयर्स पर भी है।

जर्नलिज्म

एआई का असर जूनियर जर्नलिस्ट्स और कॉपी एडिटर्स पर ज्यादा है। एआई कंटेंट मॉडरेशन, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और बेसिक फैक्ट-चेकिंग कर रहे हैं।

मैनेजमेंट

मिड-लेवल और ऑपरेशनल रोल्स को भी एआई प्रभावित कर रहा है। इंटरव्यू शेड्यूलिंग, रिज्यूमे स्क्रीनिंग और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग आदि काम एआई कर रहा है।

फाइनेंस

कई जगह अब एआई टूल्स बेसिक अकाउंटिंग और बजट एनालिसिस को हैंडल कर रहे हैं।

सॉफ्टवेयर

कोडिंग में 40% तक जूनियर रोल्स की मांग घटी है। क्योंकि एआई से डेटा क्लीनिंग और बेसिक एनालिटिक्स भी हो रहा है।

खुद को ऐसे करें अपस्किल

- एआई रिपीटिटिव काम करता है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस, क्रिएटिव सॉल्यूशन्स और ह्यूमन टच एआई की पहुंच से बहुत दूर है। ह्यूमन कनेक्शन अभी भी बहुत जरूरी है। इसलिए अपने फील्ड के लोगों से जुड़े रहें, इंडस्ट्री ट्रेंड्स पर नजर रखें और मेंटर्स ढूंढें।
- अगर आप जर्नलिस्ट हैं, तो आपको डेटा जर्नलिज्म, इमोशनल स्टोरीटेलिंग, एआई-बेस्ड रिसर्च टूल्स या मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग सीखना चाहिए।
- लीडरशिप, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट और ह्यूमन इंटरेक्शन्स आदि एआई के बस की बात नहीं है।
- अगर आप मैनेजर हैं, तो आपको डेटा-ड्रिवन डिसीजन मेकिंग और एआई टूल्स का इस्तेमाल करना सीखना चाहिए। इसलिए आप अपनी इमोशनल इंटेलिजेंस और कम्युनिकेशन को अधिक शार्प करें।
- सॉफ्टवेयर सेक्टर में सिस्टम आर्किटेक्ट्स, सीनियर डिवेलपर्स और मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट्स जैसे रोल्स अभी भी सुरक्षित हैं।
- क्रिएटिविटी, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम-सॉल्विंग और स्ट्रैटेजिक थिंकिंग जैसे काम एआई अभी भी नहीं कर सकता है।
- साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड या एआई डिवलपमेंट सीखकर आप मार्केट में बने रह सकते हैं।
- रोजाना के दोहराव वाले काम एआई से कराएं और बचे हुए समय में अपनी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को बढ़ाएं। एआई सारे काम कर सकता है, लेकिन वह लीडरशिप, क्रिएटिव सोच, टीमवर्क और इंसानों जैसी समझ नहीं ला सकता है। इसलिए खुद को इसमें अपस्किल रखें। समय के साथ ही छोटे-छोटे कोर्स करते रहें और एआई टूल्स को रोजमर्रा के कामों में इस्तेमाल करना चाहिए। रूटीन की जगह क्रिएटिव और स्पेशल प्रोजेक्ट पर फोकस रखें। आप जिस भी सेक्टर में हैं, उस सेक्टर के प्रमुख एआई टूल्स पर प्रैक्टिस करते रहें।

स्पेशलिस्ट और एआई बनाएगा परफेक्ट

बड़ी कंपनियों में सीनियर पोजिशन से भी लोगों को निकाला गया, इसका कारण सिर्फ एआई नहीं हो सकता है। जो लोग 8-10 घंटे में कोई काम करते हैं, वह एआई कुछ मिनटों में कर सकता है। लेकिन एआई स्पेशलिस्ट नहीं बन सकता है। यह एक ऐसी स्किल है, जो हमको एआई से आगे रख सकती है। खुद को किसी भी एक चीज में स्पेशलिस्ट बनाएं। इसके साथ ही एआई टूल्स से भी फ्रेंडली रहेंगे तो मार्केट में आपकी डिमांड बनी रहेगी। अपने सेक्टर में नेटवर्किंग अच्छी रखें, खुद की ब्रैंडिंग के लिए क्रिएटिव रहें और हमेशा कुछ न कुछ नया पढ़ते व सीखते रहें। इसके अलावा रेगुलेटर्स और पॉलिसी मेकर्स को यह जरूर सीखना होगा कि पुरानी चीजों को सिखाने की बजाय अब नई चीजों को सिखाने पर जोर देना चाहिए।

अपनी क्रिएटिविटी को बढ़ाएं

एआई टूल्स कैसे जवाब देते हैं और कैसे सोचते हैं। इससे वाकिफ रहना जरूरी है। अगर आप एआई को अपना दुश्मन नहीं बल्कि मेंटर मानें, तो आपका काम आसान रहे। इससे क्वालिटी चेक, प्रोजेक्ट प्लानिंग, बेसिक कंटेंट राइटिंग या डेटा एनालिसिस जैसे काम एआई से कराएं। इससे न सिर्फ आपके समय की बचत होगी, बल्कि उस दौरान खुद को अपस्किल करने में लगाएं। अगर आपके पास किसी इंस्टिट्यूट में जाने का समय नहीं है, तो आप एआई के एक्सपर्ट हो या स्पेशल प्रोजेक्ट के जानकार से चीजें ऑनलाइन सीखें। साथ ही उनसे बातचीत का दायरा बढ़ाएं और क्रिएटिविटी पर फोकस रखें। मार्केट में अपनी नेटवर्किंग बनाएं और अपनी स्पेशिलिटी की ब्रैंडिंग करें।

कॅरियर स्विच करने का बना रहे हैं प्लान तो ध्यान रखें ये बातें

कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं। ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

कई बार ऐसा होता है कि लोग कॅरियर में स्विच करते हैं। जिस फील्ड को लोग चुनते हैं, उसको छोड़कर अन्य किसी इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट हो जाते हैं। हालांकि ऐसा फैसला विभिन्न परिस्थितियों में लिया जाता है। कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कॅरियर स्विच करने से पहले कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अगर आप भी कॅरियर स्विच करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आप अपने इस फैसले को लेकर कितना श्योर हैं। क्योंकि प्रोफेशन लाइफ में कदम रखने के बाद आप यह बहुत अच्छे से समझ सकते हैं कि इस मोड़ पर कॅरियर स्विच करना कैसा होगा। ऐसे में क्या आप इस फैसले के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। आप चाहें, तो संबंधित फील्ड के अनुभवी और एक्सपर्ट लोगों से सलाह ले सकते हैं। उनकी राय आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी।

आप जिस भी फील्ड में जाना चाहते हैं, वहां पर कॅरियर के क्या ऑप्शन हैं, आपका फ्यूचर कितना सिक्योर है और आगे कहां तक प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाएंगे। इस सारी बातों पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। इसलिए यह फैसला जल्दबाजी में न लें। बल्कि सोच-समझकर आगे बढ़ें।

सबसे पहले यह चेक करलें कि दूसरे कॅरियर में स्विच करने के लिए आपके पास पर्याप्त क्वालिफिकेशन और स्किल्स है या नहीं। अगर आपके पास पर्याप्त स्किल और क्वालिफिकेशन नहीं है, तो पहले यह सोचें कि आप जॉब के साथ क्वालिफिकेशन और स्किल्स को पूरा करेंगे, या फिर छोड़कर।

अगर आप नौकरी के साथ यह करते हैं, तो क्या आप इसके लिए पर्याप्त समय निकाल पाएंगे या नहीं। अगर आप जॉब के साथ इसको नहीं कर पाएंगे, तो क्या आपके पास इसके लिए पर्याप्त सेविंग्स है या नहीं। क्योंकि आपको भी नए प्रोफेशनल में सेटल होने में समय लग सकता है।

आप जिस भी फील्ड में स्विच करने की सोच रहे हैं, तो उस फील्ड के लोगों के साथ नया नेटवर्क तैयार करने का प्रयास करें। जिससे की आपको उस फील्ड में आने वाली नौकरी के बारे में मालूम हो सके।

आईडीबीआई बैंक की 310 शाखाओं पर रिटेल लोन उत्सव शुरू हुआ

मुंबई, एजेंसी। आगामी त्योहारों की खुशी में आईडीबीआई बैंक ने 22 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2025 तक एक विशेष 'रिटेल लोन उत्सव' शुरू किया है। बैंक के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ 'बैंक ऐसा दोस्त जैसा' की ब्रांड फिलॉसफी के अंतर्गत आईडीबीआई बैंक ने हाउसिंग लोन, ऑटो लोन, एजुकेशन लोन, प्रॉपर्टी पर लोन और पर्सनल लोन आदि पर विशेष ऑफर पेश किए हैं।

रिटेल लोन उत्सव को भारतीय परिवारों की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि वो त्योहारों के शुभ अवसर पर अपनी जीवनशैली और वित्त से संबंधित जरूरतों को पूरा कर सकें। आईडीबीआई बैंक का रिटेल लोन उत्सव भारत के 29 राज्यों के 156 जिलों में बैंक की 310 शाखाओं पर चल रहा है। आईडीबीआई बैंक के डीएमडी, श्री सुमित फक्का ने कहा, रिटेल लोन उत्सव त्योहारों के अवसर पर ग्राहकों के साथ हमारा जुड़ाव मजबूत करेगा। इस उत्सव में हम ग्राहकों को अनुकूलित विशेषताओं और आकर्षक शर्तों तथा सुगम प्रोसेसिंग के साथ लोन प्रदान कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को नई शुरुआत का आनंददायक और समृद्ध अनुभव प्रदान करना है।

ईयरकार्ट लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। ईयरकार्ट लिमिटेड (कंपनी, ईयरकार्ट), जो एक तकनीक-आधारित श्रवण स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदाता है, अपना आईपीओ (इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग) गुरुवार, 25 सितंबर 2025 को खोलने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य इस इश्यू से 49.26 करोड़ जुटाना है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। ईयरकार्ट लिमिटेड इस आईपीओ के माध्यम से अपने कारोबार के विस्तार और विकास के लिए पूंजी जुटाना चाहती है। भारत भर के ईएनटी/नेत्र (ऑफ्थाल्मिक) क्लीनिकों में शॉप-इन-शॉप बिजनेस मॉडल की स्थापना से जुड़ी पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा

टाटा पावर रिन्यूएबल्स के साथ त्योहारों की खुशियों को रोशन करें

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी रूफटॉप सोलर सोल्यूशन कंपनी, टाटा पावर सोलरूफ ने आज एक स्पेशल फेस्टिव फाइनेंसिंग स्कीम - सिर्फ 999/- का भुगतान करें शुरू की है। त्योहारों के दौरान घरों के लिए सौर ऊर्जा को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए इस सीमित अवधि की ऑफर को शुरू किया गया है।

नवरात्रि में 22 सितंबर, 2025 से लेकर 31 दिसंबर, 2025 (नव वर्ष) तक चलने वाली इस आकर्षक फाइनेंसिंग स्कीम का लाभ उठाकर, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ग्राहक टाटा पावर सोलरूफ सिस्टम लगवा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ 999 का भुगतान करके वे अपनी सौर ऊर्जा यात्रा शुरू कर सकते हैं।

सैमसंग ने लेकर आया 'बिग बीस्पोक एआई फेस्टिवल'

बीस्पोक एआई उपकरणों पर मिलेंगी शानदार डील्स, कैशबैक और रिवार्ड

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 'बिग बीस्पोक एआई फेस्टिवल' की घोषणा की। यह सैमसंग का सबसे बड़ा फेस्टिव सेलिब्रेशन है, जिसमें उपभोक्ताओं को इसके बीस्पोक एआई डिजिटल उपकरणों पर आकर्षक डील्स और रिवाईस मिलेंगे। यह कैंपेन 26 अक्टूबर, 2025 तक वैध है और यह उपभोक्ताओं को सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज पर विशेष ऑफर्स, कैशबैक और रिवाईस के माध्यम से नए एआई-पावर्ड प्रोडक्ट्स से अपने घरों को अपग्रेड करने में मदद करेगा। इस कैंपेन के साथ, सैमसंग इस त्योहारी सीजन में भारतीयों के लिए कनेक्टेड, सहज और ऊर्जा-कुशल तकनीक को और अधिक सुलभ बना रहा है।

'बिग बीस्पोक एआई फेस्टिवल' के दौरान, उपभोक्ता चुनिंदा बीस्पोक एआई उपकरणों पर 50,000 रुपये तक का कैशबैक और व्यापक मॉडल रेंज पर 47% तक की छूट का आनंद ले सकते हैं। ये ऑफर्स रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव और एयर कंडीशनर पर लागू हैं, तो अपने घर को सैमसंग के नए प्रोडक्ट्स से अपग्रेड करने का यह बिल्कुल सही समय है। अपग्रेड को और भी आसान बनाने के लिए, सैमसंग ज़ीरो डाउन पेमेंट के साथ लचीले फाइनेंस विकल्प और अपने 20/5 फाइनेंस स्कीम के तहत चुनिंदा रेफ्रिजरेटर्स और वॉशिंग मशीनों पर विशेष '1 ईएमआई ऑफ' लाभ भी प्रदान कर रहा है।

वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी लेकर आया है रिएलिटी रानीज़ ऑफ़ द जंगल सीज़न 2

मुंबई, एजेंसी। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी का 'रिएलिटी रानीज़ ऑफ़ द जंगल सीज़न 2' ज़बरदस्त रोमांच के साथ आया है। इस बार, पूरा ऑल-विमेन एड्वेंचर शिफ्ट हुआ है गोवा के समुद्री तटों पर। यहाँ लहरों की टक्कर, मचलती रेत और सर्वाइवल चुनौतियों के बीच घिरी हैं 12 कंटेस्टेंट्स, जो भिड़ेंगी रिएलिटी रानी ऑफ़ द जंगल का ताज जीतने के लिए सीज़न 1 की शानदार सफलता के बाद, नया सीज़न और बड़े मूव्स, ज्यादा कड़ी प्रतिद्वंद्विताएँ और डबल ड्रामा लेकर आया है, जो कंटेस्टेंट्स को उनकी शारीरिक और इमोशनल लिमिट्स तक ले जाएगा। वरुण सूद लौटे हैं अपनी ट्रेडमार्क एनर्जी के साथ, रानियों को अब तक के सबसे कठिन एड्वेंचर का सामना करवाते हुए। रियलिटी की दुनिया से जुड़ी मशहूर हस्तियाँ - अर्चना गौतम, भावना सिंह, हीया बाजवा, इरीना रुडाकोवा, इशु कश्यप, जयश्री रॉय, निशु कश्यप, प्राची शेवगांवकर, संस्कृति सालुंके (सासा), संयुक्ता हेगड़े, सारा गुरपाल और स्कार्लेट रोज़ - अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर सीधे समुद्री जंगल में क़दम रख रही हैं। एक हाई-वोल्टेज ट्विस्ट जोड़ते हुए, सनसनीखेज़ राखी सावंत शो में ड्रामा और एनर्जी का डोज़ लेकर सरप्राइज़ गेस्ट के तौर पर आ रही हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर ने रूमियन के सभी वैरिएंट्स पर स्टैण्डर्ड तौर पर 6 एयरबैग्स देकर सुरक्षा बढ़ाई

बेंगलुरु, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अपने लोकप्रिय फैमिली व्हीकल, टोयोटा रूमियन में महत्वपूर्ण सुधार की घोषणा की है। कंपनी का यह कदम इसकी मजबूत सुरक्षा नीति और ग्राहकों पर सबसे ज्यादा ध्यान देने के इसके नजरिये से मेल खाता है। यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, टीकेएम ने रूमियन के सभी वैरिएंट में छह एयरबैग्स (फ्रंट, साइड और कर्टन शील्ड) पेश किए हैं। अब सभी वैरिएंट में संपूर्ण सुरक्षा के लिए दो फ्रंट एयरबैग, दो साइड एयरबैग और दो कर्टन शील्ड एयरबैग मिलेंगे जो विभिन्न ड्राइविंग परिस्थितियों में ड्राइवर और यात्रियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। टोयोटा ने टॉप ट्रू ग्रेड में टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) पेश किया है। यह एडवांस्ड फीचर टायर के दबाव की लगातार निगरानी करता है, जिससे सुरक्षा, ईंधन दक्षता और सहूलियत बढ़ती है। ये फीचर्स रूमियन को भारतीय परिवारों के लिए एक तकनीकी रूप से उन्नत एमपीवी के रूप में मजबूत बनाते हैं। टोयोटा रूमियन आकर्षक डिज़ाइन के साथ 7-सीटर की सुविधा को जोड़ता है। इसकी प्रीमियम क्रोम ग्रिल, प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी टेल लैंप और ड्यूल-टोन अलॉय व्हील इसे आधुनिक परिवारों के लिए स्टाइलिश बनाते हैं। रूमियन में अंदर ड्यूल टोन केबिन, लचीली 60 : 40 स्प्लिट दूसरी पंक्ति की सीटें, रेक्लाइनिंग तीसरी पंक्ति की सीटें, दूसरी और तीसरी पंक्ति के लिए एसी, और ढेर सारा सामान रखने की जगह इसे आरामदायक और बहुउपयोगी बनाती है।

नेस्ले इंडिया ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाने की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया ने हाल ही में भारत सरकार द्वारा घोषित गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) दरों में बदलाव का स्वागत किया है। कंपनी ने कहा है कि 22 सितंबर 2025 से यह लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जाएगा।

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने कहा, जीएसटी दर में कटौती भारत के उपभोक्ताओं के लिए एक सकारात्मक कदम है। इससे खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। नेस्ले पिछले 113 वर्षों से भारत का अभिन्न हिस्सा रही है और हमारे लिए उपभोक्ता हमेशा सबसे महत्वपूर्ण रहे हैं। हम उपभोक्ताओं की सेवा को ही अपना मुख्य उद्देश्य मानते हैं और आगे भी हर संभव तरीके से उनके हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एमेज़ॉन एमएक्स प्लेयर के नये रियलिटी शो राइज़ एंड फ़ॉल ने सिर्फ़ दो हफ्तों में ही दर्शकों का दिल जीत लिया

मुंबई, एजेंसी। एमेज़ॉन एमएक्स प्लेयर का नया रियलिटी शो राइज़ एंड फ़ॉल 6 सितम्बर को रिलीज़ होने के बाद से पूरे भारत में धूम मचा रहा है। कुछ ही दिनों में यह ओरमैक्स रेटिंग्स के मुताबिक टॉप 2 ओरिजिनल रियलिटी शोज़ में शामिल हो गया और शहरों से लेकर गाँवों तक करोड़ों दर्शकों का दिल जीत लिया। बिना किसी फ़िल्टर वाला, तीखे सामाजिक मुद्दों से जुड़ा और हाई-वोल्टेज ड्रामा हर जगह चर्चा का विषय बन गया है। इस शो की दीवानगी सोशल मीडिया पर भी छा गई है—जहाँ रील्स, मीम्स और लोगों की प्रतिक्रियाएँ अब शो के एपिसोड्स जितनी ही अहम हो गई हैं। सोशल मीडिया पर 500 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज़ मिलने के साथ, राइज़ एंड फ़ॉल तेजी से इस साल के ओटीटी इकोसिस्टम का सबसे बड़ा सांस्कृतिक पल बनता जा रहा है। इस शो में बॉलीवुड, संगीत, खेल, उद्यमिता और सोशल मीडिया की दुनिया के 15 सेलिब्रिटी प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया है और यह शक्तिशाली और असहाय के बीच की हमेशा की लड़ाई को खूबसूरती से दिखाता है।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी स्मार्टफोन्स की कीमतों पर विशेष छूट देकर त्योहारों की खुशियां बढ़ाई

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने आज चुनिंदा गैलेक्सी स्मार्टफोन्स पर अब तक की सबसे कम कीमतों की घोषणा की। इन विशेष कीमतों के साथ, ग्राहक गैलेक्सी स्मार्टफोन्स को उनकी लॉन्चिंग के बाद से सबसे आकर्षक कीमतों पर खरीद सकते हैं और एआई-पावर्ड फीचर्स का आनंद उठा सकते हैं। निश्चित रूप से ये फीचर्स उनके रोजमर्रा के अनुभवों को अधिक सुलभ, रचनात्मक और उत्पादक बनाते हैं।

गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस24 और गैलेक्सी एस24 एफई - काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला प्रीमियम स्मार्टफोन है। मूल रूप से 1,29,999 रुपये की शुरुआती कीमत वाला यह फोन त्योहारी सेल के दौरान केवल 71,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी एस24, जो क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 द्वारा संचालित है, केवल 39,999 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि गैलेक्सी एस24 एफई जिसमें गैलेक्सी एस24 सीरीज जैसा ही उन्नत एआई अनुभव मिलता है, केवल 29,999 रुपये में मिलेगा। गैलेक्सी ए55 5जी केवल 23,999 रुपये की आश्चर्यजनक कीमत पर उपलब्ध होगा, जबकि गैलेक्सी ए35 5जी केवल 17,999 रुपये में मिलेगा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, 2024 में गैलेक्सी ए55 5जी और गैलेक्सी 35 5जी अपने-अपने प्राइस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन थे। गैलेक्सी ए55 5जी और ए35 5जी में 6.6 इंच का एफएचडी+ 120एचz सुपर एमओएलइडी डिस्प्ले, डॉल्बी स्टीरियो स्पीकर, और विजन बूस्टर टेक्नोलॉजी दी गई है।

आने वाला है 53 करोड़ यूजर्स वाले फोनपे का आईपीओ

सेबी के पास गोपनीय दस्तावेज दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉलमार्ट की बहुमत हिस्सेदारी वाली डिजिटल पेमेंट्स कंपनी फोनपे ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस कदम का मतलब है कि कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

- फोनपे अब निवेशकों के सामने पेश होगा- फोनपे एक प्रमुख डिजिटल पेमेंट ऐप है, जिसे अगस्त 2016 में लॉन्च किया गया था। कंपनी ने अपने मुख्य पेमेंट बिजनेस के अलावा, ऋण वितरण और स्टॉक ब्रोकिंग जैसे वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में भी विस्तार किया है। मार्च 2024 तक, फोनपे के लगभग 53 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर और 20 करोड़ मासिक सक्रिय ग्राहक हैं। यह ऐप हर महीने 770 करोड़ से अधिक लेन-देन संसाधित करती है। फोनपे ने सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल जैसे 6 देशों में अपनी सेवाएं शुरू करके वैश्विक विस्तार भी किया है।

गोपनीय दाखिले का रास्ता

मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक गोपनीय दाखिले की सुविधा सेबी द्वारा नवंबर 2022 में शुरू की गई थी। इसके तहत, कंपनी अपने व्यवसाय के संवेदनशील विवरण और वित्तीय आंकड़ों को, खासकर प्रतिद्वंद्वियों से, अंतिम लिस्टिंग के फैसले तक गोपनीय रख सकती है। इस पद्धति में, दस्तावेज सार्वजनिक नहीं होते। फोनपे के अलावा, टाटा कैपिटल, ओयो, स्विगी और फिजिक्सवाला जैसी कंपनियों ने भी इसी रास्ते का इस्तेमाल किया है।

डिफेंस सेक्टर में कंपनी ने की बड़ी डील, शेयर खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज शेयर के शेयर बुधवार को बीएसई पर 5 प्रतिशत ऊपरी सर्किट पर पहुंच गए। इसी के साथ कंपनी के शेयर 606.15 प्रति शेयर के नए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। यह शेयर इंट्रा डे ट्रेड में 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 606.15 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि उसी समय बीएसई सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत गिरकर 81,679.55 पर था। कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 3,193.33 करोड़ पर स्थिर रहा। इस शेयर का 52-सप्ताह उच्च 606.15 और न्यूनतम 35.99 रहा है।

शेयरों में तेजी की वजह

बता दें कि कंपनी के शेयरों में यह तेजी उस समय आई जब कंपनी ने यूरोपीय ऑफशोर ऑयल और गैस वेसल्स की प्रमुख कंपनी रॉयल आईएचसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस रूप के तहत दोनों साझेदार अपनी विशेषज्ञता, इंफ्रास्ट्रक्चर और भौगोलिक लाभों को मिलाकर ऑफशोर ऑयल और गैस वेसल्स सहित अन्य प्रकार के जहाजों का डिजाइन, निर्माण और रेट्रोफिटिंग करेंगे। शेयर बाजारों को दी गई जानकारी में स्वान डिफेंस ने कहा कि उसने डच फर्म के भारतीय प्रतिनिधि, अलार इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से रॉयल आईएचसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनियों ने निकाल लिया तोड़!

ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा जीएसटी रिफॉर्म का बेनिफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी रिफॉर्म की नई दरें लागू होने के बाद आम लोगों को कई सामानों की खरीद पर राहत तो मिली है, लेकिन खाने पीने के कुछ आइटम्स पर अब भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। दरअसल, कुछ कंपनियों ने पैकेज वाले फूड का रेट कम करने की जगह उनका वजन बढ़ा दिया है। इससे लोगों को जीएसटी रिफॉर्म का फायदा नहीं मिल पा रहा है वहीं मंगलवार को भी ग्रॉसरी के कई आइटम पर राहत न मिलने से ग्राहक और कारोबारी परेशान नजर आए।

दरअसल, 22 सितंबर से जीएसटी रिफॉर्म की नई दरें लागू हो चुकी है। इसमें सरकार ने जीएसटी में 5 प्रतिशत और 18 के अलावा बाकी स्लैब को खत्म कर दिया है। इसके बाद कई सामान के दाम कम हुए हैं, लेकिन लोगों की शिकायत है कि ये राहत कुछ फूड आइटम पर नहीं मिल रही है। रोहिणी के रिटेल कारोबारी प्रवीण गोयल ने बताया कि खाने पीने के पैक्ड आइटम जैसे घी, जूस, सॉस, नमकीन का पैकेट समेत कई ऐसे आइटम हैं, जिन पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था, लेकिन जीएसटी रिफॉर्म के बाद इन पर 5 प्रतिशत वाला स्लैब लग रहा है।

कैसे घुमा रही हैं कंपनियां

मगर इसका फायदा ग्राहकों को नहीं मिल पा रहा है। पुराने स्टॉक के आइटम पुराने एमआरपी ही बेचे जा रहे हैं। प्रवीण ने बताया कि इस वक्त कंपनियां अलग ही चाल चल रही हैं वजन बढ़ाकर ग्राहकों को घुमाया जा रहा है जैसे कुछ समय पहले एक केक की कीमत 20 रुपये थी, तब उसका वजन 44 ग्राम था, लेकिन कंपनी ने उसका रेट कम करने की जगह अब वजन 50 ग्राम कर दिया है। इससे नई दरों का फायदा लोगों को सीधे नहीं मिल पा रहा है।

साइकल-खिलौने के दाम हुए कम

साइकल के रेट में 7 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। अब नए रेट पर ही साइकल बेची जा रही है। वहीं, खिलौने के कारोबारी निराश हैं। खिलौना कारोबारी राजीव बत्रा ने कहा कि थोड़ी राहत है, लेकिन टेंशन ज्यादा है क्योंकि, खिलौने पर अगर म्यूजिक हॉर्न लगा तो उस पर 12 की जगह अब 18 प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे ऐसे म्यूजिक वाले खिलौने महंगे होंगे। सरकार के इस फैसले के विरोध में खिलौने से जुड़े संगठनों ने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है।

- कपड़ों की बिक्री में तेजी- वी-मार्ट रिटेल के मैनेजिंग डायरेक्टर ललित

अग्रवाल का कहना है कि लोगों का रिस्पॉन्स अच्छा रहा है। खासकर 1,000 रुपये से ऊपर के प्रोडक्ट के लिए क्योंकि उन पर जीएसटी की छूट ज्यादा है। उन्होंने कहा कि ये आने वाले दिनों में 1,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले प्रोडक्ट की रेंज बढ़ाएंगे। जीएसटी में बदलाव के कारण ऑटो के दाम 6.25-10 प्रतिशत तक कम हो गए हैं। 4 मीटर से छोटी कारों के दाम सबसे ज्यादा कम हुए हैं। 32 इंच और उससे बड़े टीवी और डिशवॉशर पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। 2,500 रुपये तक के कपड़े और जूतों पर जीएसटी सबसे कम 5 प्रतिशत है। पहले 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूतों पर जीएसटी 5 प्रतिशत था और उससे ऊपर के सामान पर 12 प्रतिशत

महंगे मॉडल ज्यादा किफायती

जाटो डायनेमिक्स के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर रवि भाटिया का कहना है कि जीएसटी में बदलाव से महंगे मॉडल ज्यादा किफायती हो गए हैं। इससे बाजार में महंगी चीजें खरीदने का ट्रेंड और बढ़ेगा। इस साल ज्यादातर कंज्यूमर गुड्स जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और कारों की मांग कम रही है। ज्यादातर कैटेगरी में बिक्री या तो स्थिर रही है या कम हुई है। 16 अगस्त से बिक्री 10 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई थी, क्योंकि ग्राहक जीएसटी के फायदे का इंतजार कर रहे थे, जो 22 सितंबर से लागू हुए। अगस्त 2025 में भारत में कारों की बिक्री 7.3 प्रतिशत घटकर लगभग 330,000 यूनिट रह गई।

टाटा की कौन सी गाड़ी खरीद रहे लोग

टाटा मोटर्स के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अमित कामत का कहना है कि जीएसटी में कटौती और ऑफर्स से लोगों में खुशी का माहौल है। कुछ ग्राहक टियागो और सीएनजी मॉडल जैसे वैल्यू-ड्रिवन ऑप्शन चुन रहे हैं, जबकि कुछ नेक्सन और पंच के बेहतर मॉडल खरीद रहे हैं या हैरियर और सफारी जैसी प्रीमियम एसयूवी की तरफ जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि लोगों को ज्यादा फीचर्स, आराम और लाइफस्टाइल वाली गाड़ियां पसंद आ रही हैं।

अन्त्योदय नये भारत का आधारः वंचित के उत्थान का संकल्प

ललित गर्ग

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा।

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, अंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निमार्ता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आधार है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

जाति से मुक्ति का मार्ग

...गर यह प्रयास गंभीर है और इसका अनुपालन भी उतनी ही गंभीरता से ...ने वाला है, तो इसकी दिल खोल कर प्रशंसा की जानी चाहिए। उत्तर ...देश सरकार ने पुलिस रिकॉर्ड और सार्वजनिक नोटिसों से सभी जातिगत ...दर्भों को तत्काल हटाने का आदेश दिया है। वाहनों पर जाति-आधारित ...टिकर लगवाने या नारे लिखवाने वालों पर भी मोटर वाहन अधिनियम के ...हत जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया है। हालांकि यह कार्रवाई स्वतः ...फूर्त होने की बजाय इलाहाबाद हाई कोर्ट के रोष से बचने के लिए की गई ...। सभी जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दे ...ए गए हैं। इसका उद्देश्य जाति-आधारित भेदभाव खत्म करना है। ...कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने निर्देश दिया है कि आरोपियों की ...ाति पुलिस रजिस्टरों, केस विवरण, गिरफ्तारी दस्तावेज या पुलिस थानों के नोटिस बोर्ड पर दर्ज नहीं की जानी चाहिए। यह निर्देश हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है, और तत्काल प्रभाव से लागू है। आदेश देख कर लगता है कि जैसे उत्तर प्रदेश को जातियों के जंजाल से मुक्ति मिलने ही वाली है। अधिकारियों को कस्बों और गांवों में ऐसे बोर्ड या संकेत हटाने के लिए भी कहा गया है, जो जातिगत पहचान का महिमामंडन करते हैं, या क्षेत्र को जाति विशेष से संबंधित बताते हैं। राज्य में राजनीतिक उद्देश्यों वाली ...ाति-आधारित रैलियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया ...या है, जबकि जातिगत गौरव या घृणा को बढ़ावा देने वाली सोशल ...ीडिया सामग्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी। प्रवीण छेत्री बनाम उत्तर प्रदेश ...ाज्य और अन्य के मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस को आरोपी व्यक्तियों की ...ाति का उल्लेख नहीं करने का निर्देश दिया था और राज्य को सार्वजनिक ...और डिजिटल माध्यमों में जाति का महिमामंडन रोकने का निर्देश दिया। ...वाल है कि क्या आदेश का अनुपालन संभव हो पाएगा? हजारों सालों से ...पी ही नहीं, पूरे देश में जातिगत भेदभाव का कीड़ा लगा हुआ है। नाम से ...हले 'जाति' पूछने की मानसिकता का क्या होगा? आज भी कथित ऊंची ...ातियों के गांवों में कोई 'छोटी जात' वाला कुर्सी पर नहीं बैठ सकता। इन ...ोगों का शादियों में घोड़ी चढ़ना आज भी भारी पुलिस सुरक्षा के बिना ...ंभव नहीं है। इस आदेश के अनुपालन के लिए भारी जोर-जबरदस्ती ...खने को मिलने वाली है। यह बुराई इतने गहरे पैठ चुकी है कि लोग पिट ...र भी गौरवान्वित महसूस करेंगे।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

...सन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं क्रोध से होती है हानी

...ानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे ...ट प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। ...ब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रन्थियों से विशेष प्रकार के रस बहने ...गते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति ...ामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति ...नावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के ...क्के बनने लगते है । इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव ...म हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने ...ीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन ...ंत्र पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट ...ी मांसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नहीं निकलता, शरीर ... विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती है। शरीर रोगी हो ...ाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, ...ाददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर ...ाणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना ...र शांत चित बनाना चाहिए ।

1,700 सरेंडर और 466 मौतें: छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का तांडव थमा...

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़, जो अपनी समृद्ध खनिज संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है, लंबे समय से नक्सलवाद की चपेट में रहा है। बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर और दंतेवाड़ा जैसे जिले लंबे समय से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहे हैं। नक्सलवाद ने राज्य की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बाधित किया है, ग्रामीण विकास योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। लेकिन दिसंबर 2023 से राज्य में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए ठोस रणनीतियाँ अपनाई। राज्य सरकार और सुरक्षा बलों की रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर 2023 से अब तक लगभग 1,700 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जबकि मुठभेड़ों में 466 नक्सली मारे जा चुके हैं। यह आंकड़े न केवल सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता बल्कि सरकार की नीति और नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने की रणनीति की सफलता को भी दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद विरोधी अभियानों की गति पिछले दो वर्षों में अभूतपूर्व रही है। ह्यपुना मार्गमह्य नीति के तहत सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास और आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस नीति से न केवल माओवादी संगठनों की रीढ़ कमजोर हो रही है, बल्कि कई प्रमुख कैडर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। जुलाई 2025 तक पिछले 15 महीनों में 1,521 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, और उसके बाद अगस्त-सितंबर में भी दर्जनों सरेंडर की घटनाएं दर्ज हुईं। उदाहरण के लिए, 27 अगस्त 2025 को बीजापुर जिले में 30 नक्सलियों ने हथियार डाले, जिससे जिले में जनवरी से अब तक सरेंडर की कुल संख्या 307 हो गई। सरेंडर की यह लहर माओवादी संगठनों के लिए गंभीर चुनौती साबित हो रही है। इसका मुख्य कारण सुरक्षा बलों की सक्रियता के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना है। नक्सल प्रभावित जिलों में सड़कों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों और जल आपूर्ति परियोजनाओं का तेजी से निर्माण होने से आम जनता का नक्सलियों से मोहभंग हुआ है। मुठभेड़ों में नक्सलियों की मौतों का आंकड़ा भी बेहद प्रभावशाली है। दिसंबर 2023 से 9 सितंबर 2025 तक 454 नक्सली मारे गए, और उसके बाद 12 सितंबर को गरियाबंद जिले में 10 नक्सलियों के मारे जाने से यह संख्या 464 हो गई। सबसे ताजा और महत्वपूर्ण मुठभेड़ 22 सितंबर 2025 को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने दो शीर्ष नक्सली नेताओं ह्य कट्टा रामचंद्र रेड्डी (उर्फ राजू दादा) और कदरी सत्यनारायण रेड्डी (उर्फ कोसा दादा) ह्य को मार गिराया। इन दोनों नेताओं पर 40-40 लाख रुपये का इनाम था और वे सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमिटी के सदस्य थे। इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास राइफल, बीजीएल लॉन्चर और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। यह घटना न केवल नक्सलियों के नेतृत्व पर बड़ा प्रहार थी, बल्कि यह सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता और रणनीतिक दक्षता का भी प्रमाण है। इस मुठभेड़ के बाद 2025 में मारे गए नक्सलियों की संख्या 249 हो गई। वर्षवार ब्रेकडाउन पर नजर डालें तो 2024 में छत्तीसगढ़ में 219 नक्सली मारे गए, जो राज्य गठन के बाद का सर्वाधिक आंकड़ा है। 2025 में अब तक बस्तर संभाग में 212, जबकि अन्य क्षेत्रों में 29 से अधिक मौतें हुई हैं। प्रमुख मुठभेड़ों में 21 मार्च 2025 को बीजापुर और कांकेर में 30 नक्सली ढेर हुए, जबकि 21 मई को नारायणपुर में 27 नक्सलियों की मौत हुई, जिसमें टॉप लीडर बसवराजू शामिल था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान को लाल आतंक की रीढ़ तोड़ने वाला करार दिया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के जरिए न केवल माओवादी संगठनों की गतिविधियों पर रोक लगी है, बल्कि यह नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों को भी गति प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार ने 30 नए फॉरवर्ड बेस स्थापित करने की योजना पर काम किया है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास दोनों ही मजबूत होंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि सरेंडर और मुठभेड़ों की यह लहर नक्सलवाद को कमजोर कर रही है। यह सिर्फ एक सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सुधारों का मिश्रित प्रयास है, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को मुख्यधारा में जोड़ रहा है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास की सुविधा देना केवल सरकारी सहायता तक सीमित नहीं है। इनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और अन्य आर्थिक अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इससे नक्सलियों को पुनः हिंसक गतिविधियों में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तर और अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में सड़क, बिजली, पानी और स्कूल जैसे बुनियादी ढांचे के विकास ने स्थानीय जनता के जीवन स्तर को सुधारा है। इससे नक्सलियों के लिए समर्थन जुटाना कठिन हो गया है। विकास और सुरक्षा का यह मिश्रित मॉडल दुनिया भर के अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए उदाहरण पेश करता है। सरेंडर की यह लहर सामाजिक स्तर पर भी बदलाव ला रही है। नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटना गांवों में शांति स्थापित कर रहा है। इसके अलावा, सरेंडर करने वाले नक्सली अब स्थानीय विकास कार्यों में भी योगदान दे रहे हैं। इससे ग्रामीणों में यह संदेश गया है कि हिंसा छोड़ कर भी सम्मान और अवसर पाया जा सकता है। सरेंडर और मुठभेड़ों की यह सफलता माओवादी संगठन के लिए मानसिक और रणनीतिक झटका साबित हो रही है। शीर्ष नेतृत्व की मौतें और कैडरों का मुख्यधारा में लौटना संगठन की कार्यकुशलता और अनुशासन को कमजोर कर रहा है। छत्तीसगढ़ पुलिस और सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में फॉरवर्ड बेस स्थापित कर उनकी निगरानी और सक्रियता बढ़ाई है। नक्सलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और स्थानीय खुफिया तंत्र को भी मजबूत किया गया है। मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों की सफलता का श्रेय उनके प्रशिक्षण, रणनीतिक योजना और स्थानीय सहयोग को जाता है।

मुद्दाः शोधार्थियों को प्रोत्साहन की कमी

प्रमोद भार्गव

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें।

हाल में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। एच-1बी वीजा की शुल्क में आवेदन के लिए एक लाख डॉलर यानी करीब 86 लाख रुपये के अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिनसे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है। हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में कटौती के बाद यूरोप ने 'चूज यूरोप फॉर साइंस' थीम पर मई-2025 में बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। फ्रांस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है। भारत ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बना कर एक लाख करोड़ की धनराशि आवंटित की है जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके।

दरअसल, हमारी अब तक दिक्कत यह रही है कि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं, और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे सिद्ध होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनूदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढाल कर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़ कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे।

आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, कल्पना बिना मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है। वह उतना ही बताती-सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश ही था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। गोया, हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी, मद्रास में 'सोच का पाठ' पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैंतू तो इस पाठ्यक्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी।

दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 है, चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। प्रसन्नता की बात है कि 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवा है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती

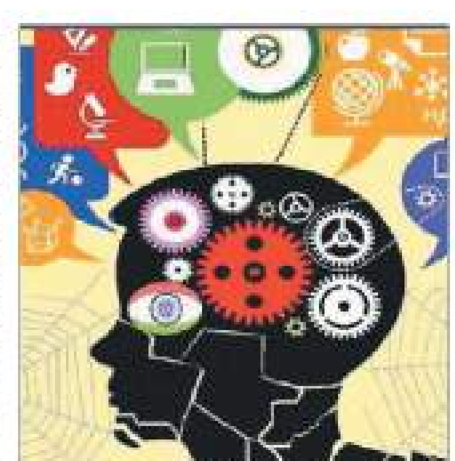

और अवसर माना जो दूसरे देशों ने हमारे सामने पेश की। रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे देशज संसाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक शक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, TITLE NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 पर चल रहा काम

अभिनेता मनोज बाजपेयी की मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' को रिलीज हुए शनिवार को 6 साल पूरे हो गए। इस अवसर पर अभिनेता ने सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। साथ ही मनोज ने तीसरे सीजन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट फैंस के साथ साझा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर शो के पहले भाग की कई तस्वीरें साझा की हैं। इन्हें शेयर करते हुए मनोज बाजपेयी ने कैप्शन में लिखा- द फैमिली मैन सीजन 1 को रिलीज हुए 6 साल हो गए हैं और यह एक कल्ट क्लासिक बन गया है। सीजन 3 का क्या? बस समझ लो ऑपरेशन जारी है।

इस सीरीज का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर स्ट्रीमिंग वेब सीरीज है। इसके निर्माता राज और डीके हैं। सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का रोल प्ले किया है, जो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति है और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में काम करते हैं। वह इसमें थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (टीएएससी) के एक खुफिया एजेंट के रूप में लोगों को बहुत पसंद आए। पहले सीजन में प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धन्वंतरी जैसे सितारे दिखाई दिए। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को इस सीरीज के दूसरे सीजन में खलनायक की भूमिका में काफी पसंद किया गया। दूसरे सीजन में श्रीकांत तिवारी टीएएससी छोड़कर परिवार के साथ रहने लगते हैं, लेकिन जैसे ही देश पर खतरा मंडराने लगता है, तो वह नौकरी छोड़ फिर से फोर्स में चले जाते हैं। अब इसके तीसरे सीजन का इंतजार दर्शकों को है। बताया जा रहा है कि इसे इस साल अक्टूबर के अंत तक रिलीज किया जा सकता है। तीसरे सीजन में जयदीप अहलावत खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। मनोज बाजपेयी को पिछली बार फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे में देखा गया था। इसमें वे लीड रोल में थे। फिल्म में जिम सर्भ, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और भालचंद्र कदम जैसे कलाकार भी अहम किरदार में दिखाई दिए। इसी के साथ ही उनकी फिल्म जुगनुमा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म को राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं नायरा बनर्जी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें।

उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता। नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है। नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी।

उम्र संबंधी सवाल पर भड़कीं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने तेलंगाना फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) में औपचारिक रूप से एक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक पत्रकार ने हाल ही में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके रूप और उम्र को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। अभिनेत्री ने पत्रकार पर 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में सवाल करने पर अपमान और अनादर का आरोप लगाया है।

जवाबदेह ठहराए जाने की मांग की

खबरों के मुताबिक मांचू ने टीएफसीसी को एक लिखित बयान सौंपकर अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि ये टिप्पणियां न केवल शर्मसार करने वाली थीं, बल्कि अपमानजनक भी थीं। अभिनेत्री ने चैंबर से अनुरोध किया है कि वह इस घटना का संज्ञान ले और पत्रकार को जवाबदेह ठहराए।

अभिनेत्री ने लिखा खत

अपने लिखित बयान में अभिनेत्री ने लिखा भारत एक ऐसा देश है जो महिलाओं को शक्ति के रूप में पूजता है, फिर भी जब हम काम करने के लिए बाहर निकलते हैं, तो हमें अपमान और अनादर का सामना करना पड़ता है। यह जारी नहीं रह सकता। मैं न केवल खुद के प्रति, बल्कि उन सभी महिलाओं के प्रति भी ऋणी हूं जो मुझसे प्रेरणा लेती हैं कि मैं इस मुद्दे को उठाऊं।

उम्र संबंधी सवाल पर नाराज हुईं अभिनेत्री

हाल ही में एक प्रमोशनल इवेंट में एक पत्रकार ने लक्ष्मी मांचू से 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में पूछा। इस सवाल से अभिनेत्री नाराज हो गईं और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि क्या वह पुरुष अभिनेता से भी यही सवाल पूछेंगे।

सुर्खियों में रही हैं लक्ष्मी

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू हाल ही में तब सुर्खियों में आईं जब ईडी ने उनसे एक अवैध सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के मामले में पूछताछ की। लक्ष्मी मांचू ही एकमात्र सेलेब्रिटी नहीं हैं जो जांच के घेरे में हैं। इस मामले में अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती से भी पूछताछ की जा चुकी है।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों। बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बॉबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इसके निर्देशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

अक्षय-सैफ की फिल्म हैवान में कैमियो करेंगे मोहनलाल

मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन इन दिनों अपनी अपकमिंग हिंदी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में होंगे। एक इंटरव्यू में फिल्म निर्माता ने आखिरकार फिल्म के बारे में एक बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने बताया है कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल इस फिल्म में नजर आएंगे। उन्होंने उनके किरदार को लेकर भी बात की है।

कहानी पर ध्यान देते हैं प्रियदर्शन

हाल ही में बातचीत में प्रियदर्शन से पूछा गया कि क्या वह अक्षय और मोहनलाल के साथ एक पूरी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं? इस पर प्रियदर्शन ने कहा अगर आप मुझसे हैवान के बारे में पूछ रहे हैं, तो मोहनलाल उस फिल्म में है। हालांकि वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं, इस पर मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। जब भी मैं कोई फिल्म बनाता हूं, तो मुझे कहानी ही उत्साहित करती है। मैं कभी भी कलाकारों के बारे में नहीं सोचता।

कलाकारों के पीछे नहीं भागते प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने आगे कहा फिल्म बनाने के लिए सबसे पहले स्क्रिप्ट होती है। फिर एक्टर आते हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं मोहनलाल और अक्षय कुमार को साथ लेकर फिल्म बनाऊंगा। अगर आप अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म बनाएंगे तो आपको कभी स्क्रिप्ट ही नहीं मिलेगी। जब भी आपको कोई स्क्रिप्ट मिले, तो सही कलाकारों के पीछे लग जाएं। यही फिल्म बनाने का सही तरीका है।

हेरा फेरी 3 फिल्म विवाद पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी हेरा फेरी की आगामी फिल्म हेरा फेरी 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। बीते महीनों इस फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसकी मुख्य वजह परेश रावल थे, क्योंकि उन्होंने अचानक फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि बाद में सब कुछ ठीक हो गया था। इस मामले पर बीते दिनों परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे और परेश को कभी कोई समस्या नहीं हुई। जहां तक मुझे पता है, अक्षय और परेश को भी कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। कुछ और लोग थे, जो परेश पर दबाव बना रहे थे। परेश रावल एक ऐसे इंसान हैं, जैसे आप जानते हैं कि जो लोग डरते हैं कि मैं बीमार हूं और इसे लेकर बहुत ज्यादा परेशान हो जाते हैं। हालांकि समस्या कोई और है। इसलिए वो डरते हैं, लेकिन हमारे रिश्ते पर इसका कोई असर नहीं हुआ।'

हैवान के बारे में

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी वाली अपकमिंग फिल्म हैवान बन रही है। मोहनलाल इसमें कैमियो रोल करेंगे। यह फिल्म मोहनलाल की फिल्म ओप्पम (2016) पर आधारित बताई जा रही है। हैवान ने पहले ही सुर्खियां बटोर ली हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें समुथिरकानी, सैयामी खेर, श्रेया पिलगांवकर, असरानी और ईनार हेराल्डसन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में सोने की खान में फंसे 20 से अधिक श्रमिक

बोगोटा , एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के उत्तरी भाग में एक सोने की खान धंसने के बाद 20 से अधिक श्रमिक फंस गए हैं। कनाडा की खनन कंपनी के अनुसार, मुख्य शाफ्ट ढहने के बाद में कंपनी के पांच कर्मचारी फंस गए। बचावकर्मी फंसे खनिकों तक भोजन और पानी पहुंचा रहे हैं और उन्हें बुधवार तक सतह पर लाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय खनन एजेंसी के अनुसार, सेगोविया नगर में 25 लोग फंसे हैं। खानों में असुरक्षित परिस्थितियों के कारण अक्सर हादसे होते हैं। 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, कोलंबिया के 80 प्रतिशत सोने का उत्पादन बिना लाइसेंस वाले खनिक और विद्रोही समूह करते हैं।

ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाला अमेरिकी नागरिक दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने 59 वर्षीय रयान राउथ को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश का दोषी करार दिया। सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में हुई घटना में वह राइफल लेकर झाड़ियों में छिपा मिला था। अभियोजन पक्ष ने बताया कि राउथ ने करीब 10 घंटे तक इंतजार किया और ट्रंप पर निशाना साधा, लेकिन एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उसे गोली चलाते हुए देख लिया था। राउथ बिना गोली चलाए भाग गया, लेकिन कुछ घंटों बाद हाईवे पर गिरफ्तार हो गया। मौके से एसकेएस राइफल, बुलेटप्रूफ प्लेटें और कैमरा बरामद हुआ। राउथ पर हत्या की कोशिश, संघीय एजेंट को बाधा पहुंचाने और हथियार रखने सहित पांच आरोपों में दोष साबित हुआ। उसे आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को संसद में बड़ी राहत, सरकारी वकील बोले- जांच जारी रहेगी

सैन जोस, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को बड़ी राहत मिली है। संसद में उनकी प्रतिरक्षा समाप्त करने के प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। मंगलवार को उनके विरोधी खेमे को इस प्रयास में असफलता हाथ लगी। विपक्ष को 38 वोटों की जरूरत थी, लेकिन केवल 34 वोट मिले। 21 ने प्रस्ताव का विरोध किया और दो अनुपस्थित रहे। यह देश के इतिहास में पहली बार था कि किसी वर्तमान राष्ट्रपति के खिलाफ ऐसे प्रस्ताव पर मतदान हुआ। चावेस पर आरोप है कि उन्होंने एक वीडियो निर्माता पर दबाव डाला कि वह अनुबंध की राशि का हिस्सा उनके पूर्व अभियान सलाहकार को दे। अटॉर्नी जनरल कार्लो डियाज ने कहा कि जांच जारी रहेगी और चावेस की प्रतिरक्षा उनके कार्यकाल (मई तक) समाप्त होने के बाद हट सकती है।

श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख को अवमानना के आरोप में 2 साल कैद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख हर्ष इलुकपिटिया को अवमानना के आरोप में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इलुकपिटिया पर पर्यटक वीजा प्रक्रिया संबंधी निर्देश की अवहेलना करने का आरोप है। इस मामले में वह पिछले साल 25 सितंबर से हिरासत में थे। तीन जजों की पीठ ने मंगलवार को इलुकपिटिया को आउटसोर्स इलेक्ट्रॉनिक पर्यटक वीजा-ऑन-अराइवल प्रणाली को रोकने और पुरानी व्यवस्था पर लौटने, अदालत के जुलाई 2024 के आदेश को लागू करने में विफल रहने का दोषी ठहराया।

ताइवान ने चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया

ताइपेई, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार सुबह करीब छह बजे (स्थानीय समय) अपने जल क्षेत्र के आसपास एक चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया। आमतौर पर पीएलए के विमान दिखते हैं, लेकिन इस बार कोई भी विमान नहीं दिखा। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज सुबह छह बजे ताइवान के आसपास पीएलए के नौसेना के एक जहाज का पता चला। ताइवान के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की और प्रतिक्रिया दी।

ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न:

फिर काम पर बुलाए गए नौकरी से हटाए गए सरकारी कर्मचारी, मस्क की कटौती नीति पड़ी महंगी

मियामी, एजेंसी। अमेरिका में जिन सैकड़ों संघीय कर्मचारियों की नौकरियां चली गई थीं, अब उन्हें वापस काम पर बुलाया जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार रहे एलन मस्क की सरकारी खर्चों में कटौती करने की योजना के तहत इन कर्मचारियों को हटाया गया था।

सामान्य सेवा प्रशासन (जीएसए) ने इन कर्मचारियों को कहा कि इस हफ्ते तक बताएं कि वे दोबारा नौकरी करना चाहते हैं या नहीं। ये कर्मचारी सरकारी दफ्तरों में देखभाल का काम करते थे। सरकारी नोटिस के मुताबिक, जो कर्मचारी लौटने को तैयार हैं, उन्हें छह अक्तूबर से काम पर लौटना होगा। इन सात महीनों में वे काम पर नहीं थे, लेकिन उन्हें वेतन मिलता रहा। इस दौरान जीएसए को कई सरकारी इमारतों के किराए पर भारी खर्च उठाना पड़ा। इसका बोझ आखिरकार करदाताओं पर ही पड़ा।

जीएसए के एक पूर्व अधिकारी चाड बेकर ने कहा कि एजेंसी में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई थी और बुनियादी काम भी सही तरीके से नहीं हो पा रहे थे। अब एजेंसी को आपातकालीन स्थिति में चलाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मस्क और उनके सरकारी दक्षता विभाग

(डॉज) ने बहुत जल्दी ज्यादा कटौती कर दी थी। जीएसए को 1940 के दशक में स्थापित किया गया था, ताकि सरकारी दफ्तरों को खरीदने और उनका प्रबंधन करने का सारा काम एक ही जगह से किया जा सके।

कर्मचारियों को फिर से वापस काम पर बुलाने का फैसला केवल जीएसए में ही नहीं, बल्कि अन्य एजेंसियों में भी देखने को मिल रहा है। आयकर विभाग और श्रम विभाग ने भी कुछ पुराने कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा है। राष्ट्रीय पार्क सेवा ने भी कुछ लोगों को वापस बुलाया है।

जीएसए के लिए स्थिति संभालना जरूरी हो गया था, क्योंकि मार्च से हजारों कर्मचारियों ने या तो खुद सेवानिवृत्ति ले ली या उन्हें जबरन नौकरी छोड़ने को कहा गया। इसके अलावा, सैकड़ों कर्मचारियों को सीधे नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि, इन सभी को सितंबर के अंत तक वेतन मिलता रहा।

जीएसए ने इस फैसले पर विस्तार से कुछ नहीं कहा और न ही कर्मचारियों की संख्या या खर्च को लेकर जानकारी दी। केवल इतना कहा गया कि जीएसए नेतृत्व ने कर्मचारियों से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की है और जो भी निर्णय लिया गया है, वह ग्राहक एजेंसियों और करदाताओं के हित में है। इस फैसले को लेकर एरिजोना से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद ग्रेग स्टैंटन ने कहा कि ऐसी कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है कि इन कटौतियों से सरकार ने कोई बचत की है। इसके विपरीत, इससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई और लोगों की सेवाएं प्रभावित हुईं।

अल्जाइमर रोग से जूझ रहे एलेक्स पांडोल्फो ने शेड्यूल कर दी अपनी ही मौत, अब खुलकर जी रहा जिंदगी

लंदन , एजेंसी। अल्जाइमर रोग से जूझ रहे 71 वर्षीय एलेक्स पांडोल्फो का जीवन एक प्रेरणादायक कहानी बन गया है। वे कहते हैं, मैं जीवन से प्यार करता हूँ। लेकिन वे अपनी गिरती सेहत को देखते हुए सहायता प्राप्त मृत्यु का विकल्प चुन चुके हैं, ताकि वे बाकी दिनों को खुशी से जी सकें। पांडोल्फो की यह कहानी न केवल उनकी व्यक्तिगत लड़ाई को दर्शाती है, बल्कि मृत्यु के अधिकार और जीवन की गुणवत्ता पर वैश्विक बहस को भी नई दिशा दे रही है।

2015 में 61 वर्ष की उम्र में अल्जाइमर डिमेंशिया का पता चलने के बाद डॉक्टरों ने पांडोल्फो को केवल तीन-चार साल का समय दिया था। कुछ अध्ययनों के अनुसार, इस बीमारी से प्रभावित व्यक्ति औसतन पांच से आठ वर्ष जीवित रहते हैं, हालांकि कुछ मामलों में यह 20 वर्ष तक भी हो सकता है। लेकिन पांडोल्फो ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी अपेक्षित आयु को पार कर लिया है और अब दैनिक जीवन को संभालने के लिए दिन में करीब 10 अलार्म सेट करते हैं- जैसे कि दवा लेना, मीटिंग याद रखना या समुद्र तट पर टहलना। पांडोल्फो बताते हैं कि वे नई नामों और चेहरों को याद करने में दिक्कत महसूस करते हैं, इसलिए रोजमर्रा के कामों और मिलने वालों के लिए वे कई अलार्म और नोट्स सेट करते हैं। वे कहते हैं, हर दिन कीमती है।

मां-बाप को भी यही दिक्कत

उनके माता-पिता दोनों को भी डिमेंशिया हुआ था- पिता विंसेंट को 1999 में तथा मां मारी को 2017 में। विंसेंट के तेज पतन और अंतिम दिनों की स्मृतियां पांडोल्फो के लिए सहायक मृत्यु के समर्थन के प्रमुख कारण बने। विंसेंट ने अंतिम वर्षों में बार-बार कहा था कि यदि वे ऐसे हो जाएं तो वे चाहेंगे कि उन्हें दर्द से मुक्त कर दिया जाए। इन अनुभवों ने पांडोल्फो को स्विट्जरलैंड में सहायक मृत्यु के रास्ते की खोज करने पर मजबूर किया।

स्विट्जरलैंड की मंजूरी और उसकी अहमियत

बीमारी पता चलने के कुछ समय बाद पांडोल्फो ने स्विट्जरलैंड की एक सहायक मृत्यु संस्था से संपर्क किया। चिकित्सीय प्रमाणों, पारिवारिक व जीवनीगत दस्तावेजों और व्यक्तिगत बयान के साथ उनकी फाइल जमा करने पर छह हफ्ते में आवेदन मंजूर कर दिया गया। पांडोल्फो कहते हैं- मुझे लगा कि दुनिया से बोझ हट गया- मेरी जिंदगी फिर से शुरू हुई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में कोलंबिया के राष्ट्रपति ने की ट्रंप के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग की

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में भाषण देते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग कर दी। पेट्रो ने यह मांग इस महीने कैरेबियाई सागर में नावों पर हुए अमेरिकी हमलों के बाद उठाई, जिनमें कई लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि अमेरिका ने इन हमलों को लेकर दावा किया था कि उसके निशाने पर मादक पदार्थ ले जा रहे तस्कर गिरोह थे और नावों के जरिए तस्करी ही हो रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दो सितंबर को हुए पहले हमले में 11 लोग मारे गए थे। इसके बाद 16 सितंबर को दूसरे हमले में तीन लोगों की मौत हुई और फिर शुक्रवार को तीसरे हमले में भी तीन लोगों की जान गई। अमेरिका ने इन सभी नावों में ड्रग्स होने की बात कही थी।

क्या बोले कोलंबिया के राष्ट्रपति? : कोलंबियाई राष्ट्रपति ने अमेरिका की तरफ से कैरिबियाई सागर में तीन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इन नावों पर सवार लोग वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह से जुड़े नहीं थे, जैसा कि ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था। उन्होंने कहा, आपराधिक कार्रवाई उन अधिकारियों पर शुरू होनी चाहिए, चाहे वह आदेश देने वाला सबसे ऊंचा पदाधिकारी ही क्यों न हो- यानी राष्ट्रपति ट्रंप। पेट्रो ने अमेरिका के मादक पदार्थ ले जा रही नावों को निशाना बनाने का दावा भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इन नावों में सवार यात्री महज गरीब लातिन अमेरिकी युवा थे, जिनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। पेट्रो ने महासभा में कहा, उन्होंने (अमेरिका ने) कहा कि कैरेबियन में मिसाइलों का इस्तेमाल ड्रग तस्करी रोकने के लिए किया गया। यह एक झूठ है। क्या वास्तव में निहत्थे, गरीब युवाओं पर बम बरसाना जरूरी था?

वेनेजुएला के राष्ट्रपति भी कर चुके हैं अमेरिका की आलोचना : दूसरी तरफ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी कहा कि उनकी सरकार अमेरिकी हमलों से निपटने के लिए संवैधानिक आदेश जारी करने की तैयारी कर रही है। मादुरो ने आरोप लगाया कि अमेरिका मादक पदार्थ तस्करी का बहाना बनाकर सैन्य कार्रवाई कर रहा है, ताकि उनकी सरकार को गिराया जा सके।

अमेरिका ने अब तक नहीं दिए नावों में नशीले पदार्थ होने से जुड़े सबूत : दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जरूरी थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अमेरिका ने नावों में लदे कार्गो का आकलन कैसे किया और यात्रियों को गैंग से जुड़ा हुआ कैसे घोषित किया।

चीन या अमेरिका, किसकी गोद में जाकर बैठेगा पाकिस्तान? बन जाएगा जंग का मैदान

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान इन दिनों एक साथ दो महाशक्तियों अमेरिका और चीन को साधने की कोशिश में है। एक ओर वह चीन के साथ आयरन ब्रदर कहलाने वाले रिश्ते को बनाए रखने की बात कर रहा है तो दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ रिश्ते गाढ़े कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि पाकिस्तान इन दिनों दो नावों की सवारी कर रहा है। भविष्य में पाकिस्तान दोनों शक्तियों के टकराव का अखाड़ा बना सकता है। हाल ही में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने वॉशिंगटन में ट्रंप के साथ लंच किया और उन्हें पाकिस्तान आने का न्योता दिया। पाकिस्तान ने अमेरिकी कंपनियों को बलूचिस्तान में तेल, खनिज और क्रिप्टो सेक्टर तक पहुंच देने की पेशकश की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और मुनीर ने भारत के साथ हालिया संघर्षविराम का श्रेय भी ट्रंप को दिया और उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार तक के लिए

नामित किया। आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान अब अमेरिका से कारोबारी अवसरों की उम्मीद कर रहा है। ब्लॉकचेन और क्रिप्टो डील को भी पाकिस्तान अमेरिका के साथ नए सहयोग का प्रतीक बता रहा है।

चीन की नाराजगी: चीन पाकिस्तान में 62 अरब डॉलर की सीपीईसी परियोजना का सबसे बड़ा निवेशक और हथियार आपूर्तिकर्ता है। शहबाज शरीफ ने हाल ही में कहा कि सीपीईसी-2 पाकिस्तान का बीजिंग से मदद पाने का आखिरी दांव है। चीन की नाराजगी इस बात को लेकर है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय सीमा विवाद में अमेरिकी भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया, जबकि रक्षा मोर्चे पर पाकिस्तान चीनी जेट विमानों पर निर्भर है। चीनी विश्लेषकों ने इसे पीठ में छुरा घोंपने जैसा बताया है।

पाक पर क्यों मेहरबान ?: अमेरिका की नजर अब फिर से अफगानिस्तान पर है। ट्रंप प्रशासन बगराम एयरबेस में वापसी की संभावनाएं तलाश रहा है, जबकि चीन अफगानिस्तान के खनिज और रणनीतिक संसाधनों पर कब्जा जमाने की तैयारी कर चुका है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर अमेरिका पाकिस्तान के जरिए अफगानिस्तान में दोबारा पैर जमाता है तो यह सीधे चीन के हितों को चुनौती होगी। भारतीय सेना के पूर्व मेजर जनरल संदीप सिंह ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा, पाकिस्तान दो पाटों के बीच फंसा है।

दंगा, गोलियों की गड़गड़ाहट और धमाकों से दहला इक्वाडोर, 14 लोगों की मौत

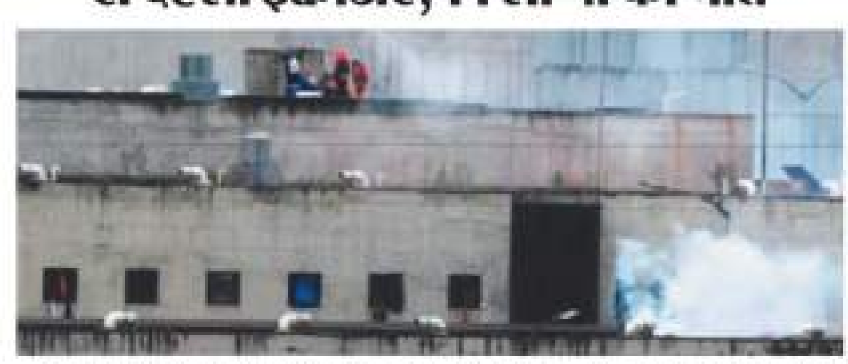

क्विटो, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर की एक जेल में हुए दंगों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी इक्वाडोर की राष्ट्रीय पुलिस ने दी। उन्होंने बताया कि एल ओरो प्रांत की राजधानी मचाला शहर स्थित जेल में सोमवार तड़के दंगों के बीच गोलीबारी एवं विस्फोट की सूचना मिली। एल ओरो के पुलिस प्रमुख विलियम कैले ने स्थानीय टीवी नेटवर्क 'इक्वाविसा को बताया कि घटना में 13 कैदियों और एक गार्ड की मौत हो गई तथा 14 अन्य घायल हुए हैं। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती किया गया। कैले ने कहा कि मारे गए अधिकतर लोग इक्वाडोर के सबसे हिंसक समूहों में से एक लॉस चोनेरोस से संबंधित थे। उन्होंने बताया कि झड़पों के दौरान कई कैदी भाग निकले। जेल अधिकारी फरार कैदियों की सही संख्या का पता लगाने का काम कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इक्वाडोर में फरवरी 2021 से अब तक गिरोह-संबंधी दंगों में लगभग 600 कैदी मारे गए हैं।

हॉन्गकॉन्ग पहुंचा साल का सबसे शक्तिशाली तूफान, सुपर टाइफून रागासा से ताइवान में 14 मौतें

चीन ने इसे तूफानों का राजा बताया

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग में दो दिन से सुपर टाइफून रागासा के चलते भारी बारिश हो रही है। रॉयटर्स के मुताबिक ये साल 2025 का सबसे खतरनाक तूफान है। इसका असर ताईवान और चीन तक देखने को मिल रहा है। ताईवान में तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

हॉन्गकॉन्ग में हवाएं 200 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही हैं, हॉन्गकॉन्ग आब्जरवेटरी ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में तूफान घनी आबादी वाले शहरों के सबसे करीब होगा। साथ ही समुद्र का स्तर दोपहर तक 4 मीटर तक पहुंच सकता है। वहीं, हॉन्गकॉन्ग के फुलरटन होटल में समुद्र का पानी घुस गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। त्सेंग क्वान और लांताउ द्वीप पर हवाई अड्डे के पास बाढ़ ने समुद्र तटों को तबाह कर दिया। चीन के मौसम ब्यूरो ने रागासा को तूफानों का राजा बताया। रागासा एक फिलिपीनी शब्द है, जिसका मतलब जुनूनी होता है।

हॉन्गकॉन्ग में उड़ानें रद्द, ताइवान में संचार सेवाएं ठप हुईं

हॉन्गकॉन्ग एयरपोर्ट पर भी टाइफून का असर दिखा। सुरक्षा कारणों से सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और हजारों यात्री फंसे रहे। शहर की मेट्रो और बस सेवाएं भी बाधित हुईं। कई इलाकों में पानी भरने से दुकानें और घरों को नुकसान पहुंचा है। यहां प्रशासन ने लोगों को घरों से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। ताइवान में स्थिति और भी गंभीर है। यहां भारी बारिश से लैंडस्लाइड और जलभराव की घटनाएं सामने आईं। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। खराब मौसम की वजह से सेना और बचाव दल को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में बिजली और संचार सेवाएं ठप हो गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

चीन ने 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया

चीन के गुआंगडोंग प्रांत के तट की ओर बढ़ते हुए इसकी सुपर टाइफून तीव्रता बरकरार रहने की उम्मीद है, जहां 125 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, तथा जहां दोपहर से इसके पहुंचने की उम्मीद है। चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। ग्वांगझोउ और शेनझेन जैसे बड़े शहरों में स्कूल, परिवहन और हवाई सेवाएं बंद हैं। समुद्र में 2.8 मीटर तक ऊंची लहरों की चेतावनी दी गई है।

न्यूयॉर्क के जाम में फंसने पर मैक्रों ने ट्रंप को किया फोन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय सत्र के दौरान न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर लगे जाम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों फंस गए। पुलिस ने उनके दल को रोक दिया, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के काफिले के लिए सड़कें बंद थीं। मैक्रों से एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट माफ कीजिए। अभी सब कुछ बंद है। ट्रंप का काफिला गुजर रहा है, जिससे ऐसा हुआ है। इसके बाद मैक्रों ने तुरंत ट्रंप को फोन किया और कहा, आप कैसे हैं? आप जानते हैं, मैं सड़क पर फंस गया हूं, क्योंकि आपके लिए सब बंद है। जब ये बातचीत हो रही थी, तब तक ट्रंप का काफिला जा चुका था। हालांकि मैक्रों कार में फिर नहीं बैठे। वह करीब आधे घंटे तक टहलते रहे और ट्रंप से फोन पर बात करते रहे। रास्ते में उन्होंने लोगों के साथ फोटो भी खिंचवाईं।

अबरार-हसरंगा ने सेलिब्रेशन कॉपी करके एक-दूजे को चिढ़ाया

बॉलर पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान, बाउंसर से फखर का हेलमेट टूटा, श्रीलंका की 5 विकेट से हार

अबु धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सुपर-4 मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 5 विकेट से जीता। इस लो-स्कोरिंग मैच में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद और श्रीलंकाई ऑलराउंडर के बीच जमकर तकरार देखने को मिली। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू गंवाने के बाद अपने ही गेंदबाज पर भड़क गए। इन सब के बीच दुष्मंथा चमीरा की बाउंसर फखर जमान के हेलमेट पर लगी। इससे उनका हेलमेट टूट गया और उन्हें हेलमेट बदलना पड़ा। ऐसे ही कुछ टॉप मोमेंट्स ने अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को और रोचक बना दिया था

दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल 14 बार शून्य पर आउट - श्रीलंकाई बैटर दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 14 बार शून्य पर आउट होने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने रवांडा के केविन इराकोज (13 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा।

कुसल मेंडिस पहली बॉल पर पवेलियन लौटे - अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंकाई टीम ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। उसके ओपनर कुसल मेंडिस अपनी पहली बॉल पर पवेलियन लौट गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने तलत हुसैन के हाथों कैच कराया।

अबरार ने हसरंगा को उन्हीं के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया

13वें ओवर की पहली बॉल पर अबरार अहमद ने वानिंदु हसरंगा को क्लीन बोल्ड कर दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी स्पिनर ने हसरंगा को उन्हें के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया। वे अपने दोनों हाथों के कंधे के पास ले गए और मुट्ठी बांधकर हिलाते हुए सेलिब्रेट किया। जैसे कि हसरंगा अपने विकेट सेलिब्रेट करते हैं। यहां पर श्रीलंकाई टीम ने छठा विकेट गंवाया। हसरंगा 15 रन बनाकर आउट हुए।

रिव्यू गंवाने के बाद अबरार पर भड़के सलमान

पाकिस्तानियों ने 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर चमिका करुणारत्ने के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नकार दिया। अबरार अहमद के जोर देने के कप्तान सलमान आगा ने रिव्यू मांगा। रिप्ले देखने से पता चला कि बॉल न तो बल्लेबाज के बैट से लगी और न ही पैड से। वीडियो में दिखा की बॉल करुणारत्ने के हाथ से लगकर उछली थी। ऐसे में पाकिस्तान को विकेट तो नहीं मिला, टीम ने एक रिव्यू जरूर गंवा दिया। ऐसे में कप्तान सलमान अबरार अहमद पर भड़क गए। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने अबरार अहमद के कहने पर रिव्यू लिया था।

पंचकूला में सीएम सैनी ने किया खेल महाकुंभ का शुभारंभ

दूसरे चरण में 10 हजार खिलाड़ी जुटेंगे; पैरालिपिक पदक विजेताओं को किया सम्मानित

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2025 का दूसरे चरण का बुधवार (24 सितंबर) को सीएम नायब सैनी ने शुभारंभ किया। खेल महाकुंभ 26 सितंबर तक पंचकूला के सेक्टर 3 में स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान खेल मंत्री गौरव गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे। सीएम नायब सैनी ने खेल महाकुंभ के दूसरे चरण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रदेश में 1489 खेल नर्सरियां खोली गई हैं। इन खेल नर्सरियों में 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिसमें 8-14 साल तक के खिलाड़ियों को 1500, 15-19 वर्ष के खिलाड़ियों को 2000 रुपए प्रति माह की सहायता प्रदान की जा रही है। इन खेल नर्सरियों में प्रशिक्षकों को 25 हजार मानदेय दिया जाता है।

- **खिलाड़ियों के लिए 550 पद सृजित** - सीएम नायब सैनी ने कहा कि हमने हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाकर 550 नए पद सृजित किए हैं। अब तक 224 खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों की नौकरी भी दी गई है। प्रदेश सरकार के द्वारा अब 641 करोड़ रुपए की इनाम राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा- 15 हजार 634 खिलाड़ियों को खेल के उपकरण भी सरकार की तरफ से किए गए प्रदान हैं। गत वर्ष पेरिस पैरालिंपिक में देश ने 29 पदक जीते, जिनमें से 8 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते थे। पदक जीतने वाले इन खिलाड़ियों को 42 करोड़ रुपए की नकद राशि दी गई है।
- **प्रदेश में हो चुके 5 खेल महाकुंभ** - सीएम नायब सैनी ने कहा कि खेल महाकुंभ की शुरुआत हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष 2017 में हुई। अब तक प्रदेश में 5 खेल महाकुंभ का सफल आयोजन हो चुका है। 2 अगस्त से 4 अगस्त तक चले खेल महाकुंभ के 26 खेलों में प्रदेश के कुल 15 हजार 410 खिलाड़ियों ने भाग लिया। आज इसके दूसरे चरण में 9 हजार 959 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि यह अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास की सबसे श्रेष्ठ पाठशाला है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग-

भारत चारों कैटेगरी में टॉप पर बरकरार

लगातार दूसरे हफ्ते इंडिया टॉप टीम

- **अभिषेक बैटर, वरुण बॉलर्स, हार्दिक ऑलराउंडर्स में नंबर-1**

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में लगातार दूसरे हफ्ते भी बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर बरकरार हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर मौजूद है।

पिछले सप्ताह ही सभी चारों कैटेगरी में भारत का दबदबा बना था। ऐसा पहली बार हुआ कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया।

वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बने हुए हैं। बैटर अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर बरकरार - बैटर्स में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज के मुकाबले में 38 और रविवार को पाकिस्तान के 74 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा, तिलक वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	907
2	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	844
3	तिलक वर्मा	भारत	791
4	जोस बटलर	इंग्लैंड	785
5	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	771
6	सूर्यकुमार यादव	भारत	729
7	पाथुम निसांका	श्रीलंका	728
8	टिम साइफर्ट	न्यूजीलैंड	725
9	टिम डेविड	ऑस्ट्रेलिया	676
10	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	674

टी-20 ऑलराउंडर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	हार्दिक पंड्या	भारत	238
2	मोहम्मद नबी	अफगानिस्तान	231
3	सिकंदर रजा	जिम्बाब्वे	212
4	दीपेंद्र सिंह ऐरी	नेपाल	209
5	सईम अयूब	पाकिस्तान	201
6	रोस्टन चेज	वेस्टइंडीज	196
7	वनिंदु हसरंगा	श्रीलंका	190
8	रोमारियो शेफर्ड	वेस्टइंडीज	183
9	लियाम लिविंगस्टन	इंग्लैंड	181
10	मार्कस स्टोयनिस	ऑस्ट्रेलिया	179

वरुण चक्रवर्ती टॉप बॉलर

बॉलर्स रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती टॉप पर बने हुए हैं। 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन जारी है। फिलहाल उनका रेटिंग पॉइंट 747 हो गया है। वरुण ने पिछले सप्ताह ही नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के जैकब डफी हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान छह स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में वापस आ गए हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप में अपने पिछले दो मैचों में छह विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पंड्या पहले नंबर पर

भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद 12 स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिलहाल उनकी रेटिंग पॉइंट्स 703 है।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया सस्पेंड

टी-20 वर्ल्ड कप और एलए 2028 ओलिंपिक में अमेरिकी टीमें खेलती रहेंगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) को नियम तोड़ने की वजह से आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट) ने निलंबित कर दिया है। इसका मतलब है कि यूएसएसी अब आईसीसी की पूर्ण सदस्यता के अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाएगा। हालांकि, अमेरिका की क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट और 2028 ओलिंपिक की तैयारियों में हिस्सा ले सकेंगी। आईसीसी अब यूएसएसी को सुधार करने का मौका देगा और इसकी निगरानी करेगा, ताकि भविष्य में निलंबन हटाया जा सके। यह कदम क्रिकेट को अमेरिका में और मजबूत करने और इसकी छवि को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है। अमेरिका ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के कुछ मैचों की मेजबानी की थी।

टीम पर क्या असर पड़ेगा

- आईसीसी ने साफ किया कि निलंबन का असर अमेरिकी टीम की भागीदारी पर नहीं पड़ेगा।
- फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका की टीम खेल सकेगी।
- लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में भी अमेरिका की पुरुष और महिला टीमें हिस्सा ले पाएंगी।
- आईसीसी अस्थायी रूप से अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के प्रबंधन और संचालन की जिम्मेदारी खुद संभालेगा।
- निलंबन खत्म करने के लिए अमेरिका क्रिकेट को क्या करना होगा

इसीलिए हुआ निलंबन

- आईसीसी ने एसएसी को पहले 2024 की वार्षिक आम बैठक में गैर-अनुपालन के लिए नोटिस पर रखा था। इस को अपनी कमियों को सुधारने के लिए 12 महीने का समय दिया गया था। जुलाई 2024 में आईसीसी सदस्यों ने एसएसी को 'नोटिस' पर बनाए रखने और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने तथा शासन सुधार करने का निर्देश दिया था। आईसीसी के अनुसार, यूएसएसी पर इन कारणों से लगाया गया है बैन।
- प्रशासनिक ढांचे की कमी- यूएसएसी एक कार्यात्मक शासन संरचना लागू करने में विफल रहा।
- यूएस ओलिंपिक और पैरालंपिक समिति के साथ राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा प्राप्त करने में प्रगति की कमी। यूएसएसी ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए।
- क्रिकेट की छवि को नुकसान- एसएसी के कुछ कदमों ने अमेरिका और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

दिग्गज अंपायर 'डिकी' बर्ड का हुआ निधन

तीन वर्ल्ड कप फाइनल में की थी अंपायरिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। बेहद लोकप्रिय और महान अंपायर हेरोल्ड 'डिकी' बर्ड का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बर्ड ने 1973 और 1996 के बीच अपने लंबे करियर में 66 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैचों में अंपायरिंग की थी। अंपायर के तौर पर बर्ड का आखिरी टेस्ट 1996 में लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इसी मैच में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली ने टेस्ट प्रारूप में पदार्पण किया था।

यॉर्कशर काउंटी क्लब ने यहां जारी बयान में कहा, ''यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को बड़े दुख के साथ यह घोषणा करनी पड़ रही है कि क्रिकेट के सबसे चहेते लोगों में से एक हेरोल्ड डेनिस 'डिकी' बर्ड एमबीई ओबीई का 92 वर्ष की आयु में अपने घर पर निधन हो गया। उन्होंने कहा, '' वह अपने पीछे खेल भावना, विनम्रता

और खुशी की विरासत के साथ कई पीढ़ियों के प्रशंसकों की एक फौज छोड़ गये हैं। बर्ड का यॉर्कशर के साथ लंबे समय तक जुड़ाव रहा। उन्होंने 1956 में इस काउंटी के साथ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और 1964 में करियर समाप्त होने तक 93 मैचों में 3,314 रन बनाए। इसमें दो शतक भी शामिल हैं।

क्लब ने कहा, ''इस समय यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब में हर किसी की संवेदनाएं डिकी के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। क्लब में सभी लोग उन्हें बहुत याद करेंगे क्योंकि उन्होंने यहां सभी के समर्थन में अविश्वसनीय रूप से बहुत समय बिताया। उन्हें यॉर्कशर के इतिहास के सबसे महान इंसान में से एक के रूप में याद किया जाएगा। बर्ड को 1986 में क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए एमबीई और 2012 में ओबीई से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने हमवतन दिवंगत डेविड शेफर्ड (2009 में निधन) के साथ मैदान पर अंपायरिंग की खास जोड़ी बनाई। बर्ड अपने फैसलों की सटीकता और अपनी खास आदतों के कारण दर्शकों और खिलाड़ियों दोनों के बीच काफी लोकप्रिय थे।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड, शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं।

मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए।

मप्र-मिनी ब्राजील में 4 पीढ़ियां फुटबॉलर, 5 बच्चे जाएंगे जर्मनी

शहडोल के प्लेयर्स को विदेशी कोच देंगे ट्रेनिंग; मां बोलीं- हम खुश, बेटा हवाईजहाज में बैठेगा

भोपाल (एजेंसी)। म.प्र.शहडोल के विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। इनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 'मिनी ब्राजील' कहे जाने वाले विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। 2 अक्टूबर को ये सभी भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और वहां से जर्मनी जाएंगे। इनके साथ महिला कोच भी रहेंगी। जो खिलाड़ी सिलेक्ट हुए हैं, उनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। दरअसल, शहडोल जिले के आदिवासी बाहुल्य गांव विचारपुर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिनी ब्राजील नाम दिया है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव में 60 नेशनल फुटबॉल प्लेयर्स हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में विचारपुर का जिक्र किया था। उसके बाद अमेरिकी पॉडकास्ट होस्ट लेक्स फ्रीडमैन से बातचीत के दौरान भी यहां के खिलाड़ियों के बारे में बताया। पीएम के बार-बार विचारपुर का जिक्र करने के बाद जर्मनी के फुटबॉल कोच डायटमार बेयर्सडॉर्फर ने यहां के 5 बच्चों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई थी।

ग्राम पंचायत के ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते हैं - विचारपुर गांव में न तो फुटबॉल का कोई स्टेडियम है, न ही कोई फुटबॉल सिखाने वाली एकेडमी। यहां के बच्चे गांव के बुजुर्गों को देखकर ही फुटबॉल खेलना सीखे हैं। सीनियर कोच अनिल सिंह रेलवे में नौकरी करते हैं।

वे कहते हैं कि जब भी समय मिलता है, बच्चों को फ्री ट्रेनिंग देने आता हूं। इसी तरह इस गांव से निकले 10-12 कोच हैं, जो यहां बच्चों को ट्रेनिंग देने आते हैं। मैंने खुद भी

पंचायत के इस ग्राउंड में प्रैक्टिस की है। मेरा 3 साल का बेटा भी यहीं खेलता है। वो चौथी पीढ़ी का खिलाड़ी है। अनिल सिंह बताते हैं कि गांव के मुरलीधर कुण्डे और उनके भाई सुरेश कुण्डे ने 80 के दशक में फुटबॉल खेलना शुरू किया था।

23 साल पहले नेशनल गेम्स में खेलना शुरू किया - अनिल सिंह ने कहा- उस समय इस ग्राउंड में शाम के 6 बजे के बाद कोई आना पसंद नहीं करता था। ये शराबियों का अड्डा हुआ करता था। गांव तक पहुंचने के लिए सड़कें-लाइट कुछ नहीं था। कुण्डे भाइयों ने युवाओं को फुटबॉल से जोड़ा। सुरेश कुण्डे से लेकर हमारी पीढ़ी तक के खिलाड़ी स्टेट और नेशनल गेम्स के बारे में नहीं जानते थे। हम लोग स्थानीय स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करते थे। एक बार विचारपुर की टीम का मैच दूसरी तहसील में हुआ। वहां के पीटी टीचर रईस अहमद ने देखा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ छोटे बच्चे भी खेल रहे हैं। उन्होंने बच्चों पर ध्यान दिया। उन्हें ट्रेनिंग दी। इसके बाद उन्होंने बच्चों को स्कूलों से जोड़कर स्टेट और नेशनल गेम्स खिलाए। हमारे गांव के खिलाड़ियों ने पहली बार साल 2002 में पहला नेशनल गेम खेला था। आज हालात ये हैं कि बच्चों के अंदर फुटबॉल को लेकर जुनून है।

मां बोलीं- खुश हैं कि बेटा विदेश जाएगा - वीरेंद्र का घर विचारपुर के खेल मैदान से करीब 300 मीटर दूर जंगल में है। मीडिया से मां सुनीता बाई ने कहा- गांव के लड़के फुटबॉल खेलते थे, तो मेरा बेटा भी उनके साथ जाकर खेलने लगा। हम भी उसे भेज देते थे।

युवराज सिंह से ईडी ने 7 घंटे पूछताछ की

सट्टेबाजी एप प्रमोशन केस में पूछे सवाल; बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी समन

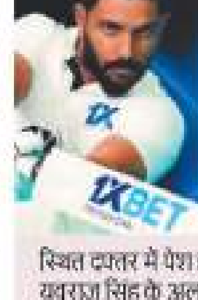

जालंधर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह मंगलवार दोपहर 12.15 बजे दिल्ली के ईडी ऑफिस पहुंचे। यहां अधिकारियों ने शाम साढ़े 7 बजे तक उनसे ऑनलाइन बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ की। कुछ दिन पहले युवराज सिंह को जांच एजेंसी ने दिल्ली स्थित दफ्तर में पेश होने के लिए समन भेजा था। युवराज सिंह के अलावा एक्ट्रेस अन्वेशी जैन से भी पूछताछ की गई। युवराज सिंह से पहले ईडी शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से पहले ही पूछताछ कर चुकी है। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी 24 सितंबर को पेश होने का समन भेजा गया है।

झारखंड के गुमला में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन नक्सली ढेर, हथियार बरामद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गुमला में पुलिस ने दो सब जोनल कमांडर सहित 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बिशुनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन ढेर नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक पर 5 लाख का इनाम रखा गया था। इनके पास से एके 47 सहित 3 हथियार बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान लालू लोहरा, छोटू उरांव और सुजीत उरांव के रूप में हुई है। लालू लोहरा और छोटू उरांव, दोनों ही सब जोनल कमांडर थे। इनमें छोटू लोहरा पर पांच लाख रुपए का इनाम था। ये कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। सुजीत उरांव उनकी टीम में एक कैडर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एक एके-47 राइफल भी शामिल है। गुमला के पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमां ने इस मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी टीम ने झारखंड जगुआर के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कार्रवाई सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एसपी ने यह भी बताया कि 2025 में गुमला पुलिस ने अब तक आधे दर्जन से अधिक नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ सुबह हुई जब पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि बिशुनपुर प्रखंड के जालिम क्षेत्र में कुछ नक्सली जमा हुए हैं। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस का सामना जेजेएमपी के बृजेश यादव की टीम के साथ हुआ। यह एनकाउंटर बिशुनपुर के केचकी स्थित रोगरीटोली के घने जंगल में हुआ। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में तीन उग्रवादी ढेर हो गए।

यूपी एटीएस ने सोनभद्र में पकड़ा पांच लाख का इनामी नक्सली

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने झारखंड के कुख्यात, पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को सोनभद्र जिले में गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ ने पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली उमेश खरवार उर्फ नगीना उर्फ डॉक्टर को बीती शाम सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा के नजदीक गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि विगत 14 सितंबर को पलामू में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में खरवार भी पकड़ा गया था लेकिन वह किसी तरह बचकर भाग निकला था। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस को पता लगा था कि खरवार उत्तर प्रदेश में कहीं छुपा है। यह जानकारी उन्होंने उत्तर प्रदेश के एटीएस को दी जिसके आधार पर एटीएस ने मोबाइल सर्विलांस एवं अन्य माध्यमों से जानकारी ली और मंगलवार को सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा पर स्थित गांव से खरवार को गिरफ्तार कर लिया।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया, उनकी पत्नी मौरीन, दो बच्चों और अन्य के खिलाफ गोरेगांव के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामला करीब 30 साल पुराना है और जमीन विवाद से जुड़ा है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मलाड में एक भूखंड के विकास से जुड़ा है। जमीन के विकास के लिए वाडिया और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, फेरानी होटल्स को बिल्डर के. रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था, जिससे वाडिया परिवार को बिक्री से प्राप्त राशि का 12 प्रतिशत हिस्सा मिलना था। फेरानी होटल्स द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, संपत्ति के स्वामित्व को लेकर 2008 में विवाद शुरू हुआ था। फेरानी होटल्स के सीईओ महेंद्र वांदे ने आरोप लगाया है कि वाडिया परिवार ने 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में जाली दस्तावेज जमा किए थे। इन आरोपों के आधार पर, वाडिया परिवार समेत कुल सात लोगों पर धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज तैयार करने और उनका वित्तीय लाभ उठाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। महेंद्र वांदे ने 15 मार्च को बांगुर नगर पुलिस स्टेशन और 24 मार्च को मुंबई के पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर, आखिरकार उन्होंने बोरीवली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

तिहाड़ जेल परिसर से मकबूल भट्ट और अफजल गुरु की कब्रों को हटाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के संस्थापक मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने वाली याचिका को खारिज किया है। दिल्ली अदालत ने मामले को अत्यधिक संवेदनशील बताकर कहा कि इस पर निर्णय सरकार द्वारा फांसी के समय सोच-समझकर लिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करने के पीछे ये मुख्य कारण बताए हैं।

दिल्ली की अदालत के अनुसार, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सरकार ने फांसी के समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था कि दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया जाए। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद इस तरह के मामलों को दुबारा खोलना सही नहीं है, क्योंकि यह निर्णय उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। दिल्ली अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है। जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफनाने या अंतिम संस्कार करने से नहीं रोकता, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। बता दें कि अफजल गुरु को 2001 के संसद हमले का दोषी ठहराया गया था और 2013 में उन्हें तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इसी तरह, मकबूल भट्ट को भी वहीं फांसी दी गई थी। दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया गया था।

भारत ने पाकिस्तान पर कसा तंज कहा- अवैध कब्जा छोड़िए और आतंकवाद को रोकिए वर्ना...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की रग-रग में गहरी और खून खराबा भरा पड़ा है। भारत में दहशत फैलाने में अपना वक्त और पैसा लगाकर बर्बाद हो रहे पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत ने एक बार फिर करारा जवाब दिया है। भारतीय राजनयिक क्षितिज त्यागी ने कहा, हमारे क्षेत्र को लेकर लालच करने के बजाए उन्हें भारतीय क्षेत्र पर किया गया अवैध कब्जा खाली कर देना चाहिए, और लाइफ सपोर्ट पर टिकी अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभाव में दबी राजनीति और उत्पीड़न के धब्बे लगे मानवाधिकार के रिकॉर्ड को सुधारना चाहिए। शायद वो तब ऐसा करें, जब उन्हें आतंकवाद बढ़ाने, यूएन की तरफ से घोषित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर विस्फोट करने से फुर्सत मिले तो।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गये और सैकड़ों अन्य घायल हो गये। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल है। यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस-6 बम गिराये।

ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारूद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं। इस हमले के पैमाने, लक्ष्य या वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में आधिकारिक पाकिस्तानी सैन्य या सरकारी सूत्रों से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की सेना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में नागरिकों पर किए अपने जुल्मों पर चुप्पी साधे रखती है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने परिसर पर पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हवाई हमले के दावों का खंडन करते हुए कहा कि बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों में विस्फोट हो गया, जिससे 14 आतंकवादियों समेत 24 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली में जुटेंगे 30 देशों के सेना प्रमुख, चीन-पाकिस्तान को नहीं मिला न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अगले महीने अक्टूबर के मध्य में एक अहम अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी करने जा रही है। यह विशेष सम्मेलन यूएनटीसीसी आर्मीचीफ कॉन्क्लेव के तहत आयोजित होगा, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशनों में टुकड़ी भेजने वाले 30 से अधिक देशों के सेना प्रमुख हिस्सा लेंगे।

इस बैठक का मुख्य फोकस ग्लोबल साउथ देशों पर रहेगा। इसमें न केवल आधिकारिक सत्र होंगे, बल्कि देशों के बीच द्विपक्षीय मुलाकातें भी की जाएंगी, ताकि आपसी सैन्य सहयोग को और मजबूत किया जा सके। भारतीय सेना के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना और यूएन मिशनों के दौरान मिले अनुभवों को साझा करना है। इससे शांति स्थापना अभियानों को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है। इन दोनों देशों की गैरमौजूदगी को सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और इस सम्मेलन को उसी दिशा में एक मजबूत कदम के तौर पर देखा जा रहा है। नई दिल्ली में होने वाला यह आयोजन न केवल भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि उसे ग्लोबल साउथ के देशों में सुरक्षा और शांति के भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी स्थापित करता है।

पीएम मोदी की सराहना करते हुए चंद्रबाबू बोले- मैंने भी कभी छुट्टी नहीं ली

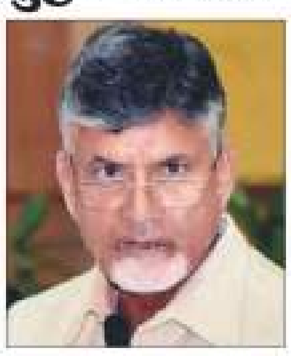

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और फिटनेस की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने कभी छुट्टी नहीं ली, वैसे ही उन्होंने भी आज तक एक दिन की छुट्टी नहीं ली है।

सीएम नायडू ने संतुलित खानपान को अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की कुंजी बताया। उन्होंने कहा, खाना ही दवा है और रसोई ही फार्मेसी है। यदि हम इसे अपनाएं तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। मजाकिया लहजे में उन्होंने टिप्पणी की कि आजकल लोग 40 साल में ही 120 साल का खाना खा लेते हैं, जो बीमारियों की जड़ है। इस पर विधानसभा में ठहाके गूंज उठे। मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्र प्रदेश में बढ़ते सी-सेक्शन ऑपरेशनों को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 56.62प्रतिशत डिलीवरी सी-सेक्शन से हो रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। इनमें से 90प्रतिशत ऑपरेशन निजी अस्पतालों में हो रहे हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि डॉक्टर पैसे के लालच में सामान्य प्रसव को हतोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया जाए और उन्हें सख्त संदेश दिया जाए कि सरकार इस प्रवृत्ति का समर्थन नहीं करती। नायडू ने कहा, कि ऑपरेशन आखिर ऑपरेशन ही है। भगवान ने जो शरीर दिया है, उसे बिना कारण काटना सही नहीं है। सीएम ने यह भी कहा कि कुछ परिवार शुभ मुहूर्त के आधार पर डिलीवरी की तारीख तय करते हैं, जो प्राकृतिक गर्भावस्था चक्र में हस्तक्षेप है।

यहां पर विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए, नायडू ने कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण नहीं कर रही, बल्कि पीपीपी मॉडल के तहत उन्हें विकसित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा चर्चा से भाग रहा है और बाहर झूठा प्रचार कर रहा है। नायडू ने कहा कि जनता के हित में काम करना उनकी प्राथमिकता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने वालों को उमर ने बताया, मानसिक रूप से अस्वस्थ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने का किया विरोध किया है। उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद लिखने को गैरकानूनी करार देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया है कि आखिर ये तीन साधारण शब्द कैसे गैरकानूनी हो सकते हैं।

दरअसल यह विवाद 9 सितंबर को कानपुर में तब शुरू हुआ, जब बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हिंदू संगठनों ने एक नया चलन और जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया।

वहीं इस पूरे मामले में अब्दुल्ला ने जोर दिया कि इन शब्दों पर मुकदमा दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का संकेत है। उन्होंने अदालतों से इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह कर कहा कि किसी को भी इन शब्दों पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यह किसी धर्म से संबंधित है, तब भी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि दूसरे धर्मों के लोग भी अपने गुरुओं और देवी-देवताओं के प्रति इसी तरह श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

बरेली में विवादित वीडियो

यूपी के बरेली में भी मुद्दे को लेकर विवाद हुआ। यहां इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता नफीस का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में, नफीस को कथित तौर पर किला थाना प्रभारी (एसएचओ) सुभाष कुमार को धमकी देते हुए देखा जा सकता है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अधिकारी आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर हटाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। वीडियो में नफीस को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह इंस्पेक्टर का हाथ काट दूंगा और वर्दी उतार दूंगा।

आर्थिक सुधारों को समझने के लिए शिशु बुद्धि नहीं पीएम मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए: सुधांशु

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव ने आम आदमी के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के टैक्स में कटौती की है। खाद्य पदार्थों में टैक्स शून्य से पांच प्रतिशत है। कपड़ों पर भी जीएसटी को कम कर दिया गया है। सीमेंट पर जो टैक्स 31 फीसदी था वो 18 प्रतिशत कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने इशारों में कहा कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। मोदी जी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसके साथ स्वदेशी का आह्वान किया है। महात्मा गांधी ने सबसे पहले स्वदेशी आंदोलन चलाया था और अब मोदी जी के नेतृत्व में ये अभियान चलेगा।

बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जनसामान्य को रोटी, कपड़ा और मकान में राहत नवरात्र के पहले दिन से मिल रही है। कारों पर जीएसटी कम करने का फायदा है कि एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की बिक्री हो रही है। आम जनता के हाथ में अब खर्च करने की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नवरात्र से दिवाली और छठ तक साढ़े तीन से चार लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था जनता के जरिए देश में बढ़ेगी। ये किसी खास कारण से इस वक्त लिया फैसला नहीं है। चरण दर चरण आर्थिक सुधार हुआ है। पहले लोगों के खाते खुले। जन धन खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर से पैसा आया और फिर डिजिटल ट्रांसेक्शन से पैसे का लेन देन संभव हो पाया है। इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ाई गई और फिर जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया।

आजम किसी दूसरे दल में भले चले जाएं पर यूपी का मुसलमान अखिलेश के साथ : एसटी हसन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद से उनकी राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे सपा छोड़कर बसपा या किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों के बीच, मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता डॉ. एस.टी. हसन का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर आजम खान सपा छोड़ भी देते हैं, तब भी यूपी का मुस्लिम वोटर अखिलेश यादव के साथ ही रहेगा और वोट नहीं बंटेगा।

पूर्व सांसद हसन ने दावा किया है कि यूपी के मुसलमान अभी भी मुलायम और अखिलेश यादव के साथ जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि आजम के जाने से बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुसलमानों की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है और उन्हें लगता है कि सिर्फ सपा ही ऐसा कर सकती है।

दरअसल सपा नेता हसन ने आजम खान से अपने रिश्तों में आई कड़वाहट को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट कटा गया था, इसके पीछे आजम का हाथ माना जाता है। उन्होंने कहा कि बगैर खता के मुझे सजा मिली, और इसी वजह से उनका दिल अब उनसे मिलने का नहीं चाहता। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का हुक्म होगा, तब जरूर मिलने जाऊंगा।

इन अटकलों के बावजूद, हसन को भरोसा है कि आजम खान सपा को नहीं छोड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आजम खान पैदाइशी समाजवादी हैं और वह सपा को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे, बल्कि पार्टी को और मजबूत करने का काम करने वाले हैं।

बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट पर सपा ने मौजूदा सांसद एस.टी. हसन का टिकट काट दिया था। उनकी जगह आजम खान की करीबी रुचि वीरा को उम्मीदवार बनाया गया, जिन्होंने चुनाव में जीत हासिल की। हसन ने पहले भी कहा था कि 2019 में उन्हें आजम खान ने ही उम्मीदवार बनवाया था।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि सपा के भीतर आजम खान की राजनीतिक स्थिति और उनके पार्टी छोड़ने की संभावना को लेकर अलग-अलग राय हैं। हालांकि, हसन के बयान से यह संकेत मिलता है कि सपा का मानना है कि आजम खान के जाने से भी मुसलमानों का वोट बैंक अखिलेश यादव के साथ बना रहेगा।

मानहानि केस में पीके को पटना हाईकोर्ट से बुलावा... 17 अक्टूबर को पेश हो

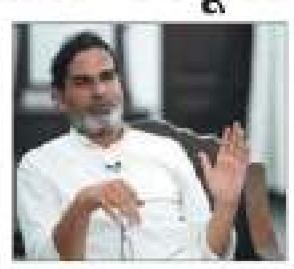

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार का राजनीति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पांच बड़े नेताओं सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संजय जायसवाल पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पटना हाईकोर्ट से बुलावा आ गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्री अशोक चौधरी ने जून माह में पीके पर मानहानि का जो केस किया था, उसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट ने प्रशांत किशोर को 17 अक्टूबर को पेश होने को कहा है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने पैसा देकर बेटी शांभवी चौधरी के लिए चिराग पासवान के दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) से लोकसभा चुनाव में टिकट खरीदा, इसके बाद वे समस्तीपुर से सांसद बनीं। चौधरी ने बयान को लेकर प्रशांत को पहले मानहानि का नोटिस भेजा था और बाद में इस लेकर पटना कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया था। प्रशांत किशोर पर ये पहला मानहानि का केस था। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने भी एक डिफेमेशन केस कर दिया है।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप और संजय जायसवाल को लेकर नए आरोप लगाए थे। पीके ने चौधरी पर शांभवी की सगाई से शादी के बीच में पटना में 38 करोड़ की पांच जमीन खरीदने और दो साल में 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया था। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी की ओर से चौधरी को इस आरोप पर सफाई देने कहा है। प्रशांत किशोर ने बेनामी संपत्ति जुटाने के आरोप में अशोक की पत्नी नीता चौधरी, बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। अशोक चौधरी ने ताजा आरोप को लेकर पीके को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। चौधरी ने कहा है कि प्रशांत किशोर की बातें सरासर झूठ है।

पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों में पटरी नहीं बैठ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार बार झूठ बोलते हैं और नए नए आदेश भारत के खिलाफ लेकर आते हैं। ऐसे में भारत भी है कि वो अपने देशहित के लिए किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जल्द मुलाकात होने वाली है। इस मौके पर कई मुद्दों पर दोनों देश चर्चा करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक बयान से भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर शुभ संकेत आते दिख रहे हैं। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को फिक्स के लिए तैयार हैं। रुबियो ने कहा कि ये टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे। वहीं अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर नए प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

मार्को रुबियो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। यह बैठक उन तनावों के बाद पहली बार हुई है जो भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूस से भारत के ऊर्जा आयात को लेकर बढ़े थे। एस जयशंकर से यूएनजीए में मुलाकात के बाद रुबियो ने कहा है - भारत, अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है, खासतौर पर व्यापार, ऊर्जा, फार्मा और क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में। उन्होंने भारत के राजदूत के तौर पर नामित सर्जियो गोर से भी मुलाकात की। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-अमेरिका के बीच संबंधों का समीकरण बदलने लगा था। इसके बाद रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों देशों को बीच तनाव और बढ़ा। परिस्थितियां ऐसी आ गईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ भारत के खिलाफ 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया बल्कि ऐसे बयान भी आए कि इस वक्त के सबसे बड़े युद्ध का जिम्मेदार भारत ही है। भारत और अमेरिका के रिश्ते ही नहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। हालांकि दोनों देशों के बीच बर्फ थोड़ी पिघलती दिख रही है।

रुबियो ने कहा- 'हमने भारत के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसे सुधारा जा सकता है। राष्ट्रपति के पास और विकल्प हैं और वे आगे और कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। मार्को रुबियो का ये बयान दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा के साथ ही ये बयान आया है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम है। आपको बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुँच गया है। यह दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक है।